हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 173, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 23 दिसम्बर, 2023 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

सांसदों के निलंबन के खिलाफ इंडिया का जंतर-मंतर पर धरना

खरगे ने कहा- मेरी जाति के कारण मेरा अपमान किया जा रहा है

नई दिल्ली। बीते दिनों संसद में हुई घुसपैठ का मुद्दा अभी तक ठंड़ा नहीं हो पाया है। इस मुद्दे को संसद में विपक्ष द्वारा उठाए जाने और कई सवाल पूछने के बाद कई सासंदों को सस्पेंड कर दिया गया। वहीं, आज INDIA गठबंधन के दलों ने सांसदों के निलंबन के खिलाफ जंतर-मंतर पर धरना दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, एनसीपी प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी धरनास्थल पर पहुंचे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जंतर मंतर पर पहुंच कर सत्ता पक्ष पर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले संसद भवन में दो-तीन युवा कूदकर अंदर आ गए। उन्हें कूदते हुए हम सबने देखा। वे अंदर आए, उन्होंने थोड़ा धुआं फैलाया, भाजपा के सभी सांसद भाग गए... जो अपने आप को देश भक्त कहते हैं उनकी हवा निकल गई। राहुल गांधी ने आगे कहा कि वे अंदर कैसे आए? संसद के अंदर वे गैस का सिलेंडर ले आए?... उन्होंने ये विरोध क्यों किया? उसका कारण क्या था? बेरोजगारी!... इस देश का युवा आज रोजगार नहीं पा सकता है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हम सब विपक्ष के नेता और विपक्ष के कार्यकर्ता एक साथ खड़े हैं। ये लड़ाई नफरत और मोहब्बत के बीच की लड़ाई है। नफरत के बाजार में हम मोहब्बत की दुकान खोल रहे हैं। जितनी आप नफरत फैलाओगे... उतना INDIA गठबंधन मोहब्बत फैलाएगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, "संविधान के उच्च पद पर बैठने वाले लोग कहते हैं कि मेरी जाति के कारण मेरा अपमान किया जा रहा है... अगर आपकी हालत यही है तो मेरे जैसे दलित की हालत क्या होगी? मैं जब सदन में बात करने के लिए उठता था तो उस समय मुझे बोलने का मौका नहीं दिया जाता था... तो मैं क्या कहूं कि ये भाजपा के लोग, भाजपा की सरकार एक दलित को बोलने नहीं दे रही है? क्या मैं ऐसा कहूं?" राहुल गांधी ने कहा कि युवक संसद में कैसे पहुंच गए इसे लेकर दो सवाल है। पहला यह कि सुरक्षा में चूक कैसे हुई। युवक गैस सिलेंडर लेकर आ गए तो कुछ भी ला सकते थे। दूसरा सवाल यह कि युवको ने यह विरोध क्यों किया। वह बेरोजगारी के विरोध में यह कदम उठाया। यही हाल देश के अन्य युवाओं का है।

आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व मंत्री राकेशधर त्रिपाठी को तीन साल की सजा, 10 लाख का जुर्माना भी

प्रयागराज। आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व मंत्री राकेशधर त्रिपाठी को तीन साल के कारावास और 10 लाख रुपये जुमार्ने की सजा सुनवाई गई है। यह फैसला इलाहाबाद जिला न्यायालय की एमपी-एमएलए कोर्ट ने सुनाया। विशेष अदालत ने 108 पन्नों में पूर्व मंत्री के खिलाफ फैसला दिया। भाजपा और बसपा सरकार में मंत्री रहे राकेश धर त्रिपाठी के खिलाफ इलाहाबाद जिला न्यायालय की एमपी एमएलए की विशेष अदालत में विचाराधीन आय से अधिक संपत्ति के मामले में शुक्रवार को फैसला सुनाया गया। 18 जून 2013 को सतर्कता अधिष्ठान प्रयागराज परिक्षेत्र के निरीक्षक राम सुभग राम ने उनके खिलाफ मुट्ठीगंज थाने में आय से अधिक संपत्ति मामले में मुकदमा पंजीकृत कराया था। आरोप लगाया गया था कि बसपा सरकार में मंत्री रहते पूर्व मंत्री ने अकूत संपत्ति अर्जित की थी। मामले की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश डॉ. दिनेश चंद्र शुक्ल की अदालत ने पूर्व मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के अंतर्गत आरोप तय किया था। मामले की सुनवाई के बाद 31 जनवरी 2023 को ही फैसला सुनाया जाना था। लेकिन फैसला सुनाए जाने से पहले ही पत्रवाली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पूर्व मंत्री की पत्नी प्रमिला त्रिपाठी और बेटी पल्लवी त्रिपाठी की आय को भी शामिल करते हुए, मां बेटी को गवाही के लिए तलब किया था।

संसद की बहस में जाति को बीच में लाना निराशाजनक धनखड़ के अपमान के मामले पर बोले चिदंबरम

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद द्वारा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की नकल किए जाने के मामले में सियासत गरमा गई है। सभापति के अपमान के विरोध में भाजपा लगातार विपक्षियों पर निशाना साध रही है। हालांकि, इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने इस बात पर अफसोस जताया कि संसद में महत्वपूर्ण विषय पर हो रही बहस में जाति को बीच में लाया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री चिदंबरम ने शुक्रवार को कहा कि यह बेहद निराशाजनक है कि संसद में गंभीर बहस के दौरान जाति का उल्लेख किया जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने लोगों से 21वीं सदी में छोटी सोच से आगे बढ़ने का आग्रह किया। गौरतलब है, 19 दिसंबर को विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस के निलंबित सांसद कल्याण बनर्जी उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल करते दिखे थे। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी बनर्जी का वीडियो बनाते दिखाई दिए थे। इस पर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने तृणमूल सांसद की आलोचना की थी। नाराज धनखड़ ने कहा था कि यह शर्मनाक, हास्यास्पद, अस्वीकार्य है कि एक सांसद मजाक उड़ा रहा है और दूसरा सांसद उस घटना की वीडियोग्राफी कर रहा है। उन्होंने सदन में मौजूद पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम से कहा था कि आप कल्पना कीजिए कि मेरे मन में क्या चल रहा होगा यह देखकर कि जब सभापति का मजाक उड़ाया जा रहा था तो आपके नेता इसका वीडियो बना रहे थे। धनखड़ ने कहा था, 'मुझे परवाह नहीं है कि आप जगदीप धनखड़ का कितना अपमान करते हैं। पर मैं भारत के उपराष्ट्रपति, किसानों और अपने समुदाय का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकता।' इस बयान पर चिदंबरम ने कहा कि यह निराशाजनक है कि एक महत्वपूर्ण विषय पर हो रही बहस में 'जाति' को बीच में लाया जाता है। यह भी निराशाजनक है कि किसी व्यक्ति के 'जन्म स्थान' का इस्तेमाल व्यक्ति की आलोचना करने के लिए एक तर्क के रूप में किया जाता है। चिदंबरम ने कहा, 'मुझे याद नहीं कि किसी ने महात्मा गांधी या सरदार वल्लभभाई पटेल की जाति या सीएफ एंड्रयूज या एनी बेसेंट के जन्म स्थान के बारे में पूछा हो। क्या हम इन छोटी बातों से आगे बढ़ सकते हैं और 21वीं सदी में मानवता के मानदंडों और मूल्यों को अपना सकते हैं।'

"कांग्रेस घास से एलर्जी है मुझे", राज्यसभा में पीयूष गोयल ने कसा तंज; कटाक्ष पर सांसदों ने ली चुटकी

नई दिल्ली। राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने विपक्षी दल कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें कांग्रेस घास से एलर्जी है। कांग्रेस घास विदेशी प्रजाति का एक पौधा है। गोयल ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से सवाल किया कि कांग्रेस घास से कैसे एलर्जी होती है? उस समय यादव विदेशी प्रजाति के पौधों के उन्मूलन को लेकर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल ने कांग्रेस का नाम लिए बिना कहा कि जब मैं एक डाक्टर के पास गया तो मुझे कहा गया कि आपको कांग्रेस घास से एलर्जी है। मैं चाहता हूं कि मंत्री इस बात पर प्रकाश डालें कि कांग्रेस घास से कैसे एलर्जी होती है? इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मंत्री यादव ऐसी जगह से आते हैं जहां यह पौधा एक बड़ी चुनौती था। उन्होंने गोयल से कहा कि मंत्री को इस बारे में पूरी जानकारी है। आप मंत्री से अलग से बात करें। वह समाधान भी सुझाएंगे।

'कनाडा में भारत विरोधी तत्वों को मिल रहा स्थान मूल मुद्दा', ट्रूडो के बयान के बाद बोले अरिंदम बागची

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर गुरुवार को जोर देकर कहा कि कनाडा में अलगाववादियों, आतंकियों और भारत विरोधी तत्वों को मिल रहा स्थान (स्पेस) उस देश के साथ मूल मुद्दा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची की यह टिप्पणी कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका में एक भारतीय नागरिक पर हत्या के प्रयास की साजिश रचने का आरोप लगने के बाद कनाडा के साथ भारत के संबंधों में 'महत्वपूर्ण बदलाव' आया है। बागची ने कहा कि हमारा रुख लगातार एक जैसा रहा है। हमने इस बात को रेखांकित किया है कि हम समस्या को कैसे देखते हैं और स्पष्ट रूप से मुख्य मुद्दा उस देश में चरमपंथियों, आतंकियों और भारत विरोधी तत्वों को दी जाने वाली जगह है। उन्होंने ट्रूडो की टिप्पणियों पर सीधी टिप्पणी नहीं की। बागची ने कहा, मैं यह नहीं कहना चाहूंगा कि उन्होंने कोई बदलाव देखा है या नहीं। निश्चित रूप से हमारा रुख लगातार एक जैसा बना हुआ है और हम उम्मीद करेंगे कि वे ऐसे चरमपंथी तत्वों पर कार्रवाई करेंगे, जो उनके देश में भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहे हैं। ट्रूडो ने एक साक्षात्कार में कहा कि एक समझ की शुरूआत हुई है कि वे इसके जरिये अपना रास्ता नहीं बिगाड़ सकते और इस तरह सहयोग करने के लिए एक खुलापन है, शायद पहले वे कम खुले थे। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिकी अभियोग ने भारत सरकार को अधिक शांत रुख अपनाने के लिए राजी कर लिया है। ट्रूडो ने कहा, ऐसी समझ है कि शायद सिर्फ कनाडा के विरुद्ध हमले करने से यह समस्या दूर होने वाली नहीं है। हम अभी इस पर भारत के साथ लड़ाई नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि हम व्यापार समझौते पर काम करना चाहते हैं। हम हिंद-प्रशांत रणनीति को आगे बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन लोगों के अधिकारों, लोगों की सुरक्षा और कानून के शासन के लिए खड़े होना कनाडा के लिए मूलभूत बात है और हम यही करने जा रहे हैं।

संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा का बयान दर्ज : प्रल्हाद जोशी

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के समापन पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में तीन विधेयक- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023, भारतीय न्याय संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 संसद में पारित किए गए। कल....संसद के शीतकालीन सत्र में कुल 19 बिल पास हुए हैं। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि 370 से लेकर नई आपराधिक न्याय प्रणाली तक जो कुछ भी इन 5 सालों में हुआ है, वो ऐतिहासिक है। तीन तलाक से लेकर कई अहम बिल पारित हुए हैं। 4 दिसंबर से ये सत्र शुरू हुआ था जो कल यानी 21 दिसंबर को पूर्ण हुआ। इस सत्र में 18 दिनों में 14 बैठकें की गईं। दोनों सदनों में 19 बिल पारित किए गए हैं। आप सब जानते हैं कि जिस दिन सुरक्षा चूक की घटना हुई उसके बाद भी 2 से लगभग 2:40 तक सदन चला। अचानक से कहां से क्या निर्देश आए पता नहीं तुरंत इन लोगों ने(विपक्ष) विरोध शुरू किया। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले की जांच के तहत भाजपा के लोकसभा सदस्य प्रताप सिम्हा का बयान दर्ज किया गया है। जोशी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 13 दिसंबर के सुरक्षा उल्लंघन के मामले में जांच चल रही है और रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद कानून अपना काम करेगा। जो प्रदर्शनकारी 13 दिसंबर को लोकसभा कक्ष में घुस गए थे और धुआं उड़ाया था, वे सिम्हा के कार्यालय द्वारा जारी किए गए पास पर संसद में दाखिल हुए थे। सिम्हा मैसूर से दो बार के लोकसभा सदस्य हैं।

वायुसेना अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखेगी : एयर चीफ मार्शल चौधरी

नई दिल्ली। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया एक निर्णायक मोड़ पर है और बदलाव की हवा भारत के पक्ष में मजबूती से बह रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्लोबल साउथ से भारत का जुड़ना अंतरराष्ट्रीय मामलों में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। चौधरी 'भारत और ग्लोबल साउथः चुनौतियां और अवसर' विषय पर एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक समृद्ध ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में निहित, औपनिवेशिक छाया से एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी के रूप में देश का उदय असंख्य चुनौतियों और अवसरों को सामने लाता है। 20वें सुब्रतो मुखर्जी संगोष्ठी का आयोजन सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा, 'जब हम इन अनछुए आसमानों को पार कर रहे हैं, तो वायु सेना देश की शक्ति का एक प्रमुख घटक है और यह निसंदेह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके अलावा यह राष्ट्रीय शक्ति के प्रतीक, शांति और सहयोग के रूप में भी काम करेगी।' एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि भारतीय वायुसेना आसानी से प्रगति के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर सकती है, रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा दे सकती है और ग्लोबल साउथ की सामूहिक उन्नति में योगदान दे सकती है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के देशों के साथ हमारी वायु शक्ति के जुड़ने की हर तरफ चर्चा है। ग्लोबल साउथ से जुड़कर हमने एक दूसरे को सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने, पारस्परिकता में सुधार करने और विश्वास बनाने की अनुमति दी है। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि सुरक्षा चुनौतियों से निपटने और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए वाताएं महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, 'हमने अन्य देशों के साथ प्रशिक्षण और सहयोग बढ़ाया है।' वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर वायुसेना प्रमुख ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों का परिदृश्य लगातार बदल रहा है और पारंपरिक शक्ति संरचनाओं को नए खिलाड़ियों द्वारा तेजी से चुनौती दी जा रही है। उन्होंने कहा, 'वैचारिक विभाजन, संसाधनों की कमी और जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक संघर्ष का खतरा मंडरा रहा है। इसने आर्थिक असमानता और संसाधनों के दोहन जैसी परस्पर चुनौतियां पैदा की हैं।' वायुसेना प्रमुख ने कहा कि कोविड-19 जैसी घटनाओं और दुनिया भर में देखे जा रहे संघर्षों ने स्थिति को और खराब कर दिया है।

गोरखपुर में हादसा : गड्ढे में स्कूली बस पलटी, दो छात्रों की मौत, आठ घायल, ग्रामीणों ने लगाया जाम

गोरखपुर। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के उधनापार के पास शुक्रवार की सुबह डंपर को ओवरटेक करने के चक्कर में स्कूल बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे में सगुआ गांव निवासी सातवीं की छात्रा प्रतिभा (14) और मठिया बारीगांव निवासी साक्षी पांडेय (8) की मौत हो गई। वहीं आठ बच्चे घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, हादसे के बाद चीख पुकार मच गई थी। उधर, घटना के बाद ग्रामीणों ने जाम लगा दिया है। जानकारी के मुताबिक, उधनापार में स्थित यूएस सेंट्रल एकेडमी स्कूल की बस अलग-अलग गांव के बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। स्कूल से महज तीन सौ मीटर पहले डंपर को ओवरटेक करने के चक्कर में स्कूल बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे में साक्षी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रतिभा को जिला अस्पताल भेजा गया। रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। इसके अलावा घटना में घायल छात्रों को अलग-अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

देश में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार, सक्रिय मामले बढ़कर 2997 हुए, केरल में एक की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण रफ्तार पकड़ता दिख रहा है। शुक्रवार को देश में कोरोना के 640 नए मामले दर्ज किए गए हैं। जिसके बाद देश में कोरोना के कुल सक्रिय मरीज बढ़कर 2997 हो गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह आंकड़े जारी किए हैं। वहीं केरल में कोरोना से एक और मरीज की मौत हो गई है। बता दें कि गुरुवार को केरल में तीन, कर्नाटक में दो और पंजाब में एक व्यक्ति की कोरोना संक्रमण से मौत हुई थी। संक्रमण दर अभी देश में 1.19 प्रतिशत है। बता दें कि गुरुवार को देशभर में कोरोना के 358 नए सक्रिय मामले सामने आए थे। इनमें से 300 मामले अकेले केरल राज्य में मिले थे। गुरुवार को देशभर में कोरोना के कुल सक्रिय मामले 2669 थे, जो शुक्रवार को बढ़कर 2997 हो गए हैं। बीते 24 घंटे में केरल में 265 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद राज्य में कुल मामले बढ़कर 2606 हो गए हैं। वहीं कर्नाटक में 13 मामले बढ़कर कुल मामले 105 हो गए हैं। महाराष्ट्र में बीते 24 घंटे में कोरोना के 8 नए सक्रिय मामले मिले हैं, जिसके बाद राज्य में कुल सक्रिय मामले बढ़कर 53 हो गए हैं। गुजरात में 32, गोवा में 16, तमिलनाडु में 104, तेलंगाना में 19 कोरोना के सक्रिय मरीज हैं। हालांकि राज्य सरकारों का कहना है कि घबराने की जरूरत नहीं है और स्वास्थ्य सेवाएं हालात से निपटने के लिए तैयार हैं। हालांकि लोगों को सार्वजनिक स्थलों पर मास्क पहनने की अपील की गई है और कहा गया है कि बीमारी के लक्षण दिखते ही डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

देश में कोरोना से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 4,50,07,212 हो गई है। वहीं कोरोना से मरने वालों की संख्या 5,33,328 है। यह आंकड़ा शुक्रवार सुबह 8 बजे तक का है। कोरोना को मात देकर ठीक होने वाले लोगों की संख्या 4,44,70,887 है और रिकवरी दर 98.81 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में अब तक 220.67 करोड़ लोगों को कोरोना वैक्सीन लग चुकी है।

अलीगढ़ में एक हो गए आम आदमी और समाजवादी, सांसदों की बहाली को लेकर किया धरना प्रदर्शन

अलीगढ़। निलंबित सांसदों की बहाली को लेकर शुक्रवार को समाजवादी पार्टी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने जिला मुख्यालय पर संयुक्त प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट गेट पर धरने को लेकर उनकी पुलिस से तीखी नोकझोंक भी हुई। इससे पहले सपाई तस्वीर महल पर लगी बेरिकेडिंग को हटाते और धक्कामुक्की करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। सभी नेताओं ने मोदी सरकार पर लोकतंत्र को खतरे में डालने का आरोप लगाया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष ठाकुर संतोष जादौन के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता तस्वीर महल पर पहुंचे। यहां सपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी धनगर व पूर्व सांसद चौधरी विजेंद्र सिंह की उपस्थिति में पहले से ही कलेक्ट्रेट गेट पर धरना चल रहा था। कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क के दूसरी और धरने पर बैठ गए। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता भी आ गए। साथ में ही धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। पूर्व सांसद चौधरी विजेंद्र सिंह उनके धरने पर पहुंचे और आग्रह कर उन्हें साथ आने का आग्रह किया। इसके बाद तीनों दलों ने एक साथ धरना शुरू कर दिया।

संपादकीय

जरूरत के बदलाव

निस्संदेह, ब्रिटिशकालीन आपराधिक कानूनों को समय की जरूरत के हिसाब से बदलना देश की आवश्यकता रही है। जिसके बाबत देश के आपराधिक कानून को बदलने वाले तीन महत्वपूर्ण विधेयक बुधवार को लोकसभा में पारित कर दिये गए। इनमें भारतीय न्याय संहिता विधेयक, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयक शामिल थे। हालांकि, विपक्षी नेता बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों के निलंबन के बीच इन महत्वपूर्ण विधेयकों को गंभीर चर्चा के बिना पारित करने को लेकर सवाल उठा रहे हैं। साथ ही विपक्षी नेता इन विधेयकों के कुछ प्रावधानों को अदालत में चुनौती देने की भी बात कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ये बिल भारतीय दंड संहिता-1860, दंड प्रक्रिया संहिता-1898 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-1872 की जगह लेंगे। सरकार का तर्क है कि ये विधेयक औपनिवेशिक काल के कानूनों का स्थान लेंगे और इन्हें वक्त की जरूरत के हिसाब से न्याय संगत बनाने की कोशिश की गई है। यह भी कि इनका मकसद दंड की जगह न्याय देने की कोशिश है। दरअसल, आजादी के बाद अपराध का पूरा तंत्र बदल चुका है। वहीं नई तकनीक से न्याय को अधिक विश्वसनीय बनाने का प्रयास भी किया जा रहा है। नये विधेयक में मॉब लिंचिंग को घृणित अपराध मानते हुए इसके लिये फांसी का प्रावधान किया गया है। साथ ही नाबालिग से बलात्कार के दोषी के लिये भी फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है। एक ओर ब्रिटिश शासन के दौरान से चले आ रहे राजद्रोह कानून को खत्म किया गया है लेकिन देश के खिलाफ काम करने वाले को देशद्रोह कानून के तहत दंडित किया जाएगा। गैंगरेप के मामले में बीस साल की सजा या आजीवन कारावास की सजा होगी। यौन हिंसा के मामले में बयान महिला न्यायिक मजिस्ट्रेट ही दर्ज करेगी। इसके अलावा झूठे वायदे कर या पहचान छिपाकर यौन संबंध बनाना अब अपराध की श्रेणी में आ जाएगा। साथ ही डिजिटल एविडेंस को कानूनी साक्ष्य के रूप में मान्यता मिलेगी। वहीं दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के नेता इन विधेयकों के कानून बनने के बाद पुलिस राज बढ़ने की आशंका जता रहे हैं। वे किसी अभियुक्त को पुलिस हिरासत में रखने की अधिकतम सीमा 15 दिन से बढ़ाकर 90 दिन करने पर प्रश्नचिन्ह लगा रहे हैं। वहीं गृहमंत्री अमित शाह इस बदलाव को औपनिवेशिक काल के कानूनों से मुक्ति बता रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि कांग्रेस ने इस मुद्दे पर संवेदनशील ढंग से कभी नहीं सोचा। उल्लेखनीय है कि ये तीन बिल गत अगस्त में मानसून सत्र के अंतिम दिन लोकसभा में रखे गये थे। जिसके बाद इन बिलों को संसद की स्थायी समिति को भेज दिया गया। इस समिति की अध्यक्षता भाजपा सांसद बृजलाल कर रहे थे। विपक्षी नेता आरोप लगा रहे हैं कि लोकसभा में इन महत्वपूर्ण बिलों को बिना बहस के पारित कराया गया जबकि सदन में 97 सांसद निलंबित किये जा चुके थे। बहरहाल, राज्यसभा में बिल पारित होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने पर इन्हें कानून का दर्जा मिल जाएगा। वहीं गृहमंत्री का कहना है कि अब तक आतंकवाद की व्याख्या किसी भी कानून में नहीं की गई थी, पहली बार राजग सरकार आतंकवाद की व्याख्या करने जा रही है। वहीं सरकार का दावा है कि प्रस्तावित कानून व्यक्ति की स्वतंत्रता, मानवाधिकार और सबके साथ समान व्यवहार के आधार पर लाए गये हैं। वहीं दूसरी ओर विपक्षी इंडिया गठबंधन की बैठक में इस मामले में विमर्श किया गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का आरोप था कि इन विधेयकों को बिना चर्चा के पास करवाने के लिये ही विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया है। बहरहाल, यह तार्किक नहीं लगता कि देश की आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी ब्रिटिशकाल में भारतीयों को दंडित करने के लिये बनाये कानून अस्तित्व में रहें। लेकिन वहीं दूसरी ओर हमारी न्याय व्यवस्था से जुड़े इन विधेयकों पर गंभीर विचार-विमर्श की जरूरत भी थी। निस्संदेह, वक्त के साथ अपराध का चेहरा, अपराधियों की प्रवृत्ति और अपराधियों के तौर-तरीके भी बदले हैं। बहरहाल, न्याय व्यवस्था का वह सूत्र वाक्य भी ध्यान में रखना चाहिए कि भले ही समय लगे, लेकिन किसी निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए।

जरूरतों के मुताबिक कानूनों की समीक्षा और उनमें बदलाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा

भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयक को आखिरकार लोकसभा ने मंजूरी दे दी। ये तीनों कानून अंग्रेजी हुकूमत के समय से चले आ रहे भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लाए गए हैं। नए प्रस्तावित कानूनों में कुछ कड़े प्रावधान किए गए हैं, तो कुछ अनावश्यक कानूनों को हटा दिया गया है। सरकार का कहना है कि अभी तक चले आ रहे कानून ब्रिटिश हुकूमत की सुरक्षा के मद्देनजर बनाए गए थे, जबकि नए प्रस्तावित कानून देश और नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं, जो भारतीय मिजाज से मेल खाते हैं। जिन कुछ कानूनों का सरकार ने विशेष रूप से उल्लेख किया है उनमें पीट-पीट कर हत्या करने वालों को फांसी की सजा और राजद्रोह के खिलाफ कानून की जगह देशद्रोह कानून प्रमुख हैं। इसके अलावा आतंकवाद को परिभाषित करते हुए उसके दायरे में एकता, संप्रभुता और आर्थिक सुरक्षा को भी शामिल किया गया है। इन कानूनों का विशेष रूप से उल्लेख करने के पीछे सरकार की मंशा स्पष्ट है। चूंकि इन्हीं मसलों पर विपक्ष सबसे अधिक सरकार पर निशाना साधने का प्रयास करता रहा है, इसलिए स्पष्ट किया गया कि सरकार को इन विषयों की विशेष चिंता है। बदलती परिस्थितियों और जरूरतों के मुताबिक कानूनों की समीक्षा और उनमें बदलाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। जरूरत पड़ने पर संविधान में भी संशोधन किए जाते हैं। मगर सरकार ने दंड विधान से जुड़े सभी कानूनों की समीक्षा कर वर्तमान स्थितियों के मुताबिक उनमें बदलाव करने का जो कदम उठाया, वह निस्संदेह साहसिक कहा जा सकता है। ये तीनों विधेयक मानसून सत्र में ही सदन के पटल पर रखे गए थे। उनमें कुछ संशोधन रेखांकित किए गए थे, जिनके आधार पर उन्हें नए रूप में पेश किया गया। हालांकि अब भी विपक्ष की शिकायत है कि इन विधेयकों पर ठीक से चर्चा नहीं कराई गई। विपक्ष के ज्यादातर सदस्य चूंकि निलंबित थे, इसलिए इन विधेयकों पर चर्चा में उनकी भागीदारी नहीं हो सकी। इस तरह तीनों विधेयक केवल सत्तापक्ष की मंजूरी से पारित हो गए। इस शिकायत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चूंकि दंड विधान से जुड़े कानून संवेदनशील होते हैं, उनके हर पहलू पर बारीकी से चर्चा अपेक्षित होती है। मगर लोकसभा में विपक्ष की संख्या इतनी कम है कि उनके उपस्थित रहने पर भी इन विधेयकों के पारित होने में कोई बाधा नहीं आती। पिछले कुछ वर्षों में बहुत सारे ऐसे लोगों पर राजद्रोह कानून के तहत मुकदमे चलाए गए, जिन्होंने सरकार की अलोचना की थी। इसलिए सरकार पर आरोप लगते रहे कि वह अपनी आलोचना को भी राजद्रोह मानती है। अब उस कानून को खत्म कर सरकार की आलोचना को दंड के दायरे से बाहर कर दिया गया है। मगर उसकी जगह जो देशद्रोह कानून लाया गया है, उसमें देश के खिलाफ चलाई जाने वाली किसी भी गतिविधि, यहां तक कि बोलने और लिखने पर भी कठोर दंड का प्रावधान है। इसलिए कुछ लोगों को आशंका है कि इस कानून का दुरुपयोग किया जा सकता है। अच्छी बात है कि प्रस्तावित कानूनों में न्याय की गति तेज करने के लिए कुछ ऐसे प्रावधान किए गए हैं, जिनके तहत मुकदमों को लंबे समय तक अदालतों में लटकाया नहीं जा सकता। अधिकतम चार महीने में फैसला देने का नियम है। उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रस्तावित कानून सचमुच नागरिकों और देश की सुरक्षा कर सकेंगे।

गतिरोध एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री करना दुर्भाग्यपूर्ण

ललित गर्ग

लोकसभा एवं राज्यसभा में सत्तापक्ष या विपक्ष का अनुचित एवं अलोकतांत्रिक व्यवहार न केवल अशोभनीय, अनुचित एवं मयार्दाहीन है बल्कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की आदर्श परम्पराओं को धुंधलाने वाला है। शीतकालीन सत्र से लोकसभा के अब तक 95 एवं राज्यसभा के 46 कुल 141 सांसदों को सस्पेंड किए जाने के बाद विपक्षी सांसद संसद परिसर में धरना दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी की और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल उतारकर मिमिक्री की, निश्चित ही इस तरह का अपमानजनक एवं अशालीन व्यवहार भारत के लोकतंत्र को कलंकित करने की चिन्ताजनक घटना है। उपराष्ट्रपति सर्वोच्च एवं सम्मानजनक पद है, इसकी गरिमा को आहत करना एवं उस पर आंच आने का अर्थ है राष्ट्र की अस्मिता एवं अस्तित्व को धुंधलाने की कुचेष्टा। तभी उपराष्ट्रपति धनखड़ ने इस घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि यह हास्यास्पद और अस्वीकार्य है कि एक सांसद मेरी मजाक उड़ा रहा है और दूसरा सांसद उस घटना का वीडियो बना रहा है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मुझे अपनी परवाह नहीं है, मैं ये बर्दाश्त कर सकता हूं, लेकिन मैं कुर्सी का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा। इस कुर्सी की गरिमा बरकरार रखने की जिम्मेदारी मेरी है। मेरी जाति, मेरी पृष्ठभूमि, इस कुर्सी का अपमान किया गया है। यहां बात सिर्फ लोकतंत्र के अपमान की भी नहीं है। संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों की जिस तरह मिमिक्री कर उनका अपमान करने और हमारे संवैधानिक सर्वोच्च संस्थानों पर राजनीतिक हमले किये जाने का जो सिलसिला चला है वह एक तरह से भारत की छवि पर हमला है। इतने अधिक सांसदों का निलम्बन एवं उपराष्ट्रपति का अपमान लोकतांत्रिक इतिहास में इन्हें दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के रूप में देखा जाएगा।

यह विपक्षी दलों की बौखलाहट ही है कि अपनी सरकती राजनीतिक जमीन को बचाने की जुगत में वे जायज-नाजायज सभी तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं, यह भूलकर की उनकी भी कुछ मयार्दाएं एवं लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। यही विपक्ष कभी राष्ट्रपति तो कभी उपराष्ट्रपति, तो कभी प्रधानमंत्री के लिये अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए लोकतांत्रिक मयार्दा की सारी सीमाएं लांघ रहे हैं। प्रधानमंत्री के लिए तो तानाशाह, हिटलर, नीच, मौत का सौदागर या कई अन्य अपमानजनक शब्द उपयोग किये हैं।

अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का जिस तरह अपमान किया गया उसने सार्वजनिक जीवन में मयार्दाओं को तार-तार कर दिया है। लोकतंत्र में असहमति एवं आलोचना एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है और इसे उसी रूप में लेने की जरूरत है, लेकिन हठधर्मिता, विध्वंसात्मक नीति एवं मिमिक्री करने जैसी घटनाओं से लोकतंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। लोक राज्य, स्वराज्य, सुराज्य, रामराज्य का सुनहरा स्वप्न ऐसे अलोकतांत्रिक विपक्ष की नींव पर कैसे साकार होगा? यहां तो सभी दल अपना-अपना साम्राज्य खड़ा करने में लगे हैं। हालांकि विपक्षी दलों के तमाम अलोकतांत्रिक विरोध एवं उच्छृंखल रवैये ने निराशा का ही वातावरण बनाया है।

सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध के पीछे मूलतः पिछले सप्ताह संसद की सुरक्षा में हुई चूक है। इसमें कहीं कोई दो राय नहीं कि यह गंभीर मसला है। सवाल सिर्फ यह है कि आखिर इस गंभीर मसले पर सदन के अंदर चर्चा की कोई राह दोनों पक्ष क्यों नहीं निकाल पा रहे? क्यों विपक्षी दल इस बात पर अड़े हैं कि कानून व्यवस्था से जुड़े इस गंभीर मसले पर केंद्रीय गृह मंत्री को बयान देना चाहिए, वहीं सरकार का कहना है कि संसद के अंदर की सुरक्षा स्पीकर की जिम्मेदारी होती है और इसलिए इस पर गृह मंत्री का बयान देना उचित नहीं होगा। लोकतंत्रीय पद्धति में किसी भी विचार, कार्य, निर्णय और जीवनशैली की आलोचना पर प्रतिबंध नहीं है। किन्तु आलोचक का यह कर्तव्य है कि वह पूर्व पक्ष को सही रूप में समझकर ही उसे अपनी आलोचना की छेनी से तराशे। किसी भी तथ्य को गलत रूप में प्रस्तुत कर उसकी आक्षेपात्मक आलोचना करना उचित नहीं है। जिन दलों, लोगों एवं विचारधाराओं का उद्देश्य ही निन्दा करने का हो, उनकी समझ सही कैसे हो? जिसका काम ही किसी अच्छे काम या मन्तव्य को जलील करने का हो, वह सत्य का आईना लेकर क्यों चलेगा?

विपक्षी दलों की हठधर्मिता से खड़े हुए गतिरोध के चलते संसद के शीत सत्र के बचे हुए दिनों में भी सुचारू ढंग से कामकाज होने के कोई आसार नहीं दिख रहे। ध्यान रहे, अगले आम चुनाव से पहले यह मौजूदा लोकसभा का आखिरी पूर्णकालीन सत्र है और इसमें कई अहम बिलों पर चर्चा होनी है। लेकिन पक्ष-विपक्ष का जो रवैया है उसे देखते हुए यही लगता है कि विपक्ष की गैरमौजूदगी में और बिना किसी चर्चा के ही इन बिलों को पास घोषित करना पड़ेगा। कितना दुखद प्रतीत होता है जब कई-कई दिन संसद में ढंग से काम नहीं हो पाता है। विवादों का ऐसा सिलसिला खड़ा कर दिया जाता है कि संसद में सारी शालीनता एवं मयार्दा को ताक पर रख दिया जाता है। विवाद तो संसद में भी होती हैं और सड़क पर भी। लेकिन संसद को सड़क तो नहीं बनने दिया जा सकता? वैसे, भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसे अवसर बार-बार आते हैं, जब परस्पर संघर्ष के तत्व ज्यादा और समन्वय एवं सौहार्द की कोशिशें बहुत कम नजर आती है। स्पष्ट है कि यदि दोनों पक्ष अपने-अपने रवैये पर अडिग रहते हैं तो संसद का चलना मुश्किल ही होगा। संसद में हुड़दंग मचाने, अभद्रता प्रदर्शित करने, मिमिक्री करने एवं हिंसक घटनाओं को बल देने के परिदृश्य बार-बार उपस्थित होते रहना भारतीय लोकतंत्र की गरिमा से खिलवाड़ ही माना जायेगा। सफल लोकतंत्र के लिए सत्ता पक्ष के साथ ही मजबूत एवं शालीन विपक्ष की भी जरूरत होती है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उपराष्ट्रपति को जिस तरह अपमानित किया गया, उससे वह बेहद व्यथित हैं। व्यथित तो समूचा राष्ट्र है। राष्ट्रपति ने तो कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधि अपने विचार रखने के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन उनकी अभिव्यक्ति शालीन तथा मयार्दा के दायरे में होनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि हमारी संसदीय परंपराएं हैं जिन पर हमें गर्व है और हम उन्हें बरकरार रखने की आशा करते हैं।ह्न भारत की संसदीय प्रणाली दुनिया में लोकप्रिय एवं आदर्श है, बावजूद इसके सत्ता की आकांक्षा एवं राजनीतिक मतभेदों के चलते लगातार संसदीय प्रणाली को धुंधलाने की घटनाएं होते रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। अब संसद की कार्रवाई को बाधित करना एवं संसदीय गतिरोध आमबात हो गयी है। संसद एक ऐसा मंच है जहां विरोधी पक्ष के सांसद आलोचना एवं विरोध प्रकट करने के लिये स्वतंत्र होते हैं, विरोध प्रकट करने का असंसदीय एवं आक्रामक तरीका, सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तकरार और अपने विरोध को विराट बनाने के लिये सार्थक बहस की बजाय शोर-शराबा, नारेबाजी, मिमिक्री करने की स्थितियां कैसे लोकतांत्रिक कही जा सकती है?

वैश्विक लोकप्रियता के साथ ही विश्वसनीयता में भी सबसे आगे हैं पीएम नरेंद्र मोदी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विरोधियों द्वारा लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये जाते रहे हो पर इसमें कोई दो राय नहीं कि आज की तारीख में लोकप्रियता में दुनिया के दिग्गज नेताओं में शीर्ष पर कोई नेता है तो वह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन या रुस के पुतिन हो या अमेरिका के ही पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता के आसपास भी नहीं टिकते है। अमेरिका की कंसल्टेंसी फर्म मार्निंग कंसल्ट द्वारा इसी माह की शुरूआत में करवाये गए सर्वे में यह साफ हो गया है कि सर्वे में हिस्सा ले रहे दुनिया के देशों के लोगों में 76 फीसदी लोगों की पंहली पसंद नरेन्द्र मोदी रहे हैं। लोकप्रियता में नकारने वाले भी केवल 18 फीसदी ही है जबकि 6 फीसदी ने अपनी कोई राय उजागर नहीं की है। इससे पहले अमेरिकी थिंक टेंक प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश के 10 में से 8 व्यक्ति नरेन्द्र मोदी के प्रति सकारात्मक राय रखते हैं। यानी कि देश के 80 फीसदी लोग नरेन्द्र मोदी में विश्वास रखते हैं। 55 फीसदी लोगों की पहली पंसद नरेन्द मोदी है। देश की केवल 20 फीसदी आबादी नरेन्द्र मोदी को पसंद नहीं करती है। लोकप्रियता की सूची में मजे की बात यह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इस लोकप्रियता की श्रेणी में 8 वें पायदान पर हैं। दरअसल विश्वव्यापी लोकप्रियता अर्जित करना कोई सामान्य बात नहीं होती है। हमारे देश के लिए तो यह

और भी गर्व की बात हो जाती है कि हमारे नेता की लोकप्रियता दुनिया में पहले पायदान पर है। मजे की बरत यह है कि लोकप्रियता के साथ ही विश्वसनीयता में भी सबसे आगे हैं। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि लोकप्रियता में अव्वल आना इस मायने में बड़ी बात हो जाती है कि 76 फीसदी को मतलब साफ है कि यह लोकप्रियता का कोई मामूली आंकड़ा नहीं है अपितु लोकप्रियता के दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिकों के राष्ट्रपति एन्ड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर से पूरे दस प्रतिशत अधिक है। यानी कि नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का आंकड़ा 76 फीसदी है तो दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिको के राष्ट्रपति की लोकप्रियता का आंकड़ा 66 फीसदी यानी कि दस फीसदी कम है। सूची के अनुसार तीसरे पायदान पर स्विट्जरलैंड, चौथे पर ब्राजील, पांचवें पर आस्ट्रेलिया और छटे पायदान पर इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी रही है। मेलोनी जिसको लेकर पिछले दिनों सोशियल मीडिया पर एक से एक मीम्स चलाये जा रहे थे उनके और नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में पूरे 35 फीसदी का अंतर है। देखा जाये तो नरेन्द्र मोदी का एग्रेसिव रवैया ही उनकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। कठोर से कठोर और कड़े से कड़े निर्णय भी एक झटके में लेने की क्षमता और मोव को अपने पक्ष में करने क्षमता ही नरेन्द्र मोदी का लोकप्रियता के शिखर पर पंहुचाती है।

रामनुजन गणितीय मेधा के विलक्षण व्यक्तित्व : डॉ. आरसी पांडेय

भारतीय गणितीय गगन के महानतम सितारें श्रीनिवास रामानुजन जी का जन्म 22 दिसंबर, 1887 ई. को तमिलनाडु के इरोड नामक एक छोटे से गांव में हुआ था। वे एक बहुत ही साधारण परिवार से थे। उनके पिता श्री निवास आय्यंगर कुंभकोण में एक कपड़ा व्यापारी के यहां मुनीम का काम करते थे। उनकी माता कोमलाम्माल कुशाग्र बुद्धि की गृहिणी थीं। रामानुजन का प्रारंभिक जीवन बेहद चुनौतीपूर्ण व संघर्षों से भरा था। उनके परिवार की इष्ट देवी नामगिरी थी जिनपर रामानुजन की गहरी आस्था थी। वे कहा करते थे कि "नामगिरि देवी मुझसे यह काम करा लेती हैं। उसकी कृपा से स्वप्न में भी मेरी आंखों के सम्मुख गणित की नवीन परिकल्पनाएं आने लगती हैं। बिस्तर से उठकर मैं उसे कागज पर उतार लेता हूं।" वे धार्मिक प्रवृत्ति के सृजनशील बालक थे। गणित के प्रति गहरे प्रेम की वजह से वे अन्य विषयों में रुचि नहीं रख पाए। रामनुजन गणित की खोज को ईश्वर की खोज के समान मानते थे। रामानुजन ने 1903 ई. में दसवीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया। इस एवज में उन्हें सुब्रह्मण्यम छात्रवृति मिली। कुंभकोणम के महाविद्यालय में प्रवेश मिला। लेकिन गणित में गहरी लगन के कारण वे गणित विषय में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए लेकिन अन्य सभी विषयों में वे अनुत्तीर्ण हो गए। जिसके चलते उन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति भी बंद हो गई। 1907 में उन्होंने पुनः परीक्षा दी लेकिन दुबारा वे गणित के अलावा सभी विषयों में अनुत्तीर्ण हो गए। इससे उन्हें बहुत कष्ट हुआ। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई छोड़नी पड़ी। तमाम संघर्षों के बाद उन्हें क्लर्क की अस्थाई नौकरी मिली। फिर भी यह पर्याप्त साबित नहीं हुई। धनाभाव के कारण उनके पास लिखने के लिए कागज के पैसे तक नहीं होते थे इसके लिए वे स्लेट का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने संख्या सिद्धांत, कार्यों और अनंत श्रृंखला पर कार्य किया। बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के उन्होंने गणित के लगभग साढ़े तीन हजार सिद्धांत बनाए थे। कहा जाता है कि जब उनकी उम्र 11 वर्ष की तभी उन्होंने महाविद्यालय के स्तर की गणित सिख ली थी। 13 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपनी थ्योरम बनाना शुरू कर दिया था।मात्र 33 वर्ष की आयु के अपने छोटे से जीवनकाल में भी उन्होंने 3884 समीकरण बनाए। जिनमें से कई तो आज भी अनसुलझी हैं।

गणित विषय की खोज के कुछ शोध पत्र जब उन्होंने विश्व के प्रसिद्ध ब्रिटिश गणितज्ञ गॉडफ्रे हेरॉल्ड हार्डी को भेजे तो वे उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुए। इसके बाद हार्डी ने पहले श्रीनिवास रामानुजन को मद्रास विश्वविद्यालय और बाद में कैंब्रिज विश्वविद्यालय में स्कॉलरशिप दिलाने में सहायता की। फिर रामानुजन को लंदन के कैंब्रिज विश्वविद्यालय में पढ़ने व शोध कार्य के लिए बुलाया। 1918 में वह रॉयल सोसाइटी के फेलो के रूप में सम्मानित होने वाले पहले भारतीय बने। उनकी अद्भुत गणितीय मेधा व साधना से दुनिया चमत्कृत है। उनके संख्या सिद्धांत पर उनके द्वारा दिए गए योगदान के कारण उन्हें गणितज्ञों का गणितज्ञ तथा संख्याओं का जादूगर कहा जाता है। भारत सरकार ने वर्ष श्री रामानुजन की 125वीं जयंती के अवसर पर वर्ष 2012 को राष्ट्रीय गणितीय वर्ष घोषित किया। उनकी जयंती 22 दिसंबर के अवसर पर भारत में 2012 से हर वर्ष राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाए जाता है। राष्ट्रीय गणित दिवस मनाए जाने का उद्देश्य महान भारतीय गणितज्ञ श्री रामानुजन के विषय में युवा पीढ़ी को अवगत कराते हुए उन्हें गणित विषय के प्रति जागरूक तथा प्रोत्साहित करना है। भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत से युवा पीढ़ी को सदैव प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार है)

राष्ट्रीय किसान दिवस पर विशेष : किसान, कृषि एवं विकसित भारत

प्राचीन काल से ही भारत की अर्थव्यवस्था में किसानों एवं कृषि का बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है ' भारतीय कृषि राष्ट्र के आर्थिक, सामाजिक के साथ आध्यात्मिक उन्नत का बहुत बड़ा केंद्र रही है' इसलिए भारतीय कृषि को लोग ऋषि परंपरा की दिन मानते हैं' जहां सबके कल्याण के लिए "सर्वे भवंतु सुखिनाः , सर्वे संतु निरामया" के विचार से प्रेरित होकर के समाज के अंतिम पक्ति के अंतिम व्यक्ति को दो समय की रोटी और तन ढकने को कपड़ा मिले, ऐसा प्रत्येक भारतीय चिंतक का मानना है ' कृषि भारत की संस्कृति एवं सभ्यता है तो किसान उसकी आत्मा ' इसलिए भारत के लोग कृषि एक उत्सव के रूप में मनाते हैं और उत्सव ऐसा जिसमें पर्यावरण एवं प्रकृति की रक्षा एवं सुरक्षा का दायित्व निर्वहन करने की सोच, जहाँ वृक्ष, नदी, पहाड़, झरने समुद्र, जीव -जंतु, पशुधन यहां तक की सूक्ष्मजीवियों के यथोचित एवं समन्वयी सहचर्य से उनके साथ-साथ अपना भी जीवन चले ऐसी कल्पना रही है ' 2011 के जनगणना के अनुसार लगभग 60% आबादी कृषि और उससे संबंधित कार्यों से अपनी जीविकोपार्जन कर रही है' वर्ष 1950- 51 में भारत की जीडीपी में कृषि का लगभग 52 प्रतिशत योगदान था ' केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार वर्ष 2016-17 में कृषि और संबंधित क्षेत्र का योगदान गिरकर 17.4 प्रतिशत रह गया था, जो कि वर्तमान में 16 प्रतिशत के आस-पास रह गया है जो की चिंता का विषय है ' विदित हो कि, कोविड -19 की महामारी के बावजूद 3.4 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ कृषि क्षेत्र ने भारतीय अर्थव्यवस्था को ऊपर पहुंचा था '

आज भारत जिस तरह से बहुत ही तेजी से वैश्विक पटल पर समस्त क्षेत्र में (विदेश नीति, रक्षा,सुरक्षा, तकनीकी, विज्ञान, अंतरिक्ष, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि) बहुत तेजी से उभरते हुए विकसित भारत बनने में तेजी से अग्रसर है ' वैसे ही भारत के किसानों एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों के ऊपर भारत को विकसित बनाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने की जिम्मेवारी है ' जब-जब इस देश को एक दिशा देने की आवश्यकता हुई है, इस देश के किसानों ने उसमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, चाहे आजादी के आंदोलन में बिहार के चंपारण में किसानों का आंदोलन या फिर 1928 का किसानों का "बारदोली सत्याग्रह" इसके उदाहरण है ' आज भी देश की अर्थव्यवस्था में खेती के योगदान के लगातार घटने के बावजूद लगभग 60% से अधिक लोगों को रोजगार कृषि क्षेत्र से उपलब्ध हो रहा है' देश में खेती के जोत का औसत आकार 1.15 हेक्टर है, जो कि घटता जा रहा है' जबकि लघु एवं सीमांत भूस्वामीत्व 2 हैकटेयर कम है और यह लगभग 72 प्रतिशत है ' भारत में छोटे एवं सीमांत किसानों संख्या बहुत ही अधिक अधिक है जिनकी मोल भाव करने की शक्तियां बहुत ही कम है ' जिससे किसान खुद को बाजार एवं बिचौलियों के बीच फसा पाता हैं' देश में कृषि बाजार की अनुपलब्धता एवं उसका स्वरूप भी भारत के किसानों के आर्थिक गुलामी का एक बहुत बड़ा कारण है' आज देश का किसान बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बीज, उर्वरक एवं दवाओं के ऊपर तेजी से आश्रित होता जा रहा है ' जो किसानों की मेहनत की कमाई का एक बहुत बड़ा हिस्सा प्राइवेट कंपनियां पाले में जा रहा हैं ' भारत में लगभग 60% क्षेत्र पर वर्षा आधारित खेती होती है, जबकि मात्र 40% क्षेत्र में सिंचित खेती होती है, या ये कहिए कि, 40% खेतों पर ही सिंचाई के साधन उपलब्ध हैं' देश में किसानों को जितना उपज का मूल्य मिलना चाहिए, वह आज भी नहीं मिल रहा है ' आज भी उनको अत्यधिक दर पर ऋण मिलता है' वहीं दूसरी तरफ जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण असंतुलन के कारण अत्यधिक वर्षा, कम वर्षा, अत्यधिक गर्मी, कम गर्मी एवं तापक्रम का अचानक तेजी से बढ़ाना, भारत ही नहीं, वैश्विक स्तर पर किसानों एवं कृषि क्षेत्र के लिए एक अलग चुनौती के रूप में खड़ी हुई है ' वित्तीय वर्ष 2023 तक वैश्विक महामारी एवं रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध ने वैश्विक आपूर्ति प्रणालियों को अस्त-व्यस्त कर दिया खाद्य ईंधन और उर्वरकों की कीमतों में तेजी से वृद्धि के साथ महंगाई का दबाव बढ़ा' इन समस्त विषम परिस्थितियों में देश का किसान भारत को "विकसित भारत" बनाने के लिए संकल्पबद्ध होते हुए निरंतर कार्य कर रहा है ' देश के अन्नदाता किसानों ने अपनी मेहनत के बल पर 330.5 मिलियन टन का शानदार उत्पादन किया ' जिसमें 303 मिलियन टन अनाज एवं 27.5 मिलियन टन दलहन का उत्पादन रहा ' गन्ना उत्पादन में रिकॉर्ड 494.2 मिलियन टन, जबकि तिलहन उत्पादन सर्वकालिक उच्च 41 मिलियन टन रहा' बागवानी की बात करें तो बागवानी के क्षेत्र में 350.9 मिलियन टन उत्पादन रहा जिसमें फलों का उत्पादन 107.7 मिलियन टन एवं सब्जियों का उत्पादन 212.5 मिलियन टन के साथ आलू के उत्पादन में 6.2% का उछाल आया ' श्रीअन्न (मोटे अनाज) की हम बात करें तो भारत 12.49 मेट्रिक टन उत्पादन करके दुनिया का सबसे अधिक श्रीअन्न उत्पादन करने वाला देश है ' भारत आज दूध,दाल, चाय, मसाले, जुट,काजू के उत्पादक में दुनिया के देश बनकर उभरा है, वहीं चावल गेहूं तिलहन, फल, सब्जी और कपास में दूसरे सबसे बड़े उत्पादक देश के रूप में शीर्ष पर है।

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने किसानों एवं कृषि की उपरोक्त समस्त समस्याओं को समझते हुए कुछ नीतिओ एवं कार्यक्रमो पर कार्य कर रही है,जो की सराहनीय है ' लेकिन इस दिशा में और अधिक कार्य करने आवश्यकता है' प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत देशभर के सभी भूमि धारक किसानों के परिवार को कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के साथ घरेलू जरूरत से संबंधित खर्च को वहन करने हेतु प्रतिवर्ष ?6000 की आर्थिक सहायता प्रदान करती है वही किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के माध्यम से किसान सामूहिक रूप से अपने उत्पादन को बढ़ाएं एवं उसका उचित मूल्य ले सकें' प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से आंधी, ओलावृष्टि, तेज बारिश, प्राकृतिक आपदाओं के कारण नष्ट हो रही फसलों को डेढ़ से दो प्रतिशत के प्रीमियम भुगतान देकर बहुत बड़ी राहत प्रदान की है ' वहीं किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत भारत सरकार मात्र तीन प्रतिशत ब्याज की दर से किसानों को अचानक धन की आवश्यकता होने पर ऋण लेने की सुविधा प्रदान कर रही है।

डॉ परमेंद्र सिंह वरिष्ठ वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) एडवांस सेंटर फॉर रैनफेड एग्रीकल्चर, ध्यानसर, कृषि विश्वविद्यालय जम्मू (जम्मू कश्मीर)

भाजपा सरकार लोकतंत्र को खत्म कर देना चाहती हैं : सपा

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव निर्देश पर सपा के निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डा0 अवधनाथ पाल के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के साथियों के साथ 142 सांसदों के अलोकतांत्रिक निलम्बन के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में विशाल धरना दिया।धरना का नेतृत्व कर रहें डा0 अवधनाथ पाल ने कहा है कि भाजपा सरकार लोकतंत्र संविधान को खत्म कर देना चाहती हैं सरकार के खिलाफ जो भी बोलेगा उसे प्रताड़ित और जेलों में भेजने का काम करती हैं विपक्ष के सांसदों का जिस तरह निलंबन हुआ उससे अब यही महसूस हो रहा है भाजपा सरकार लोकतंत्र प्रक्रिया को पूर्ण रूप से खत्म कर देना चाहती है सरकार के गलत नीतियों से देश की जनता, किसान और नौजवान सभी लोग दुःखी है। केन्द्र की सरकार उद्योगपतियों की सरकार है। यह गरीब और किसान की सरकार नहीं

है। केन्द्र की भाजपा सरकार ने उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर दिया लेकिन किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। जनता भाजपा से नाराज है और वह परिवर्तन चाहती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को सत्ता से हटा देगी। पूर्व मंत्री शैलेन्द्र यादव ललई ने कहा कि भाजपा सरकार, सरकारी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है। जनता सब देख रही है। जो भी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करेगा। जनता उसे हरा देगी। जनता भाजपा को सत्ता के दुरूपयोग की सजा देगी। कहा कि समाजवादी पार्टी की रणनीति इंडिया गठबंधन को मजबूत करने की है। इंडिया गठबंधन पीडीए के रास्ते पर चलकर मजबूत होगा। इंडिया गठबंधन भाजपा को हराएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा हटेगी तो संविधान और लोकतंत्र बचेगा। कहा कि समाजवादियों की लड़ाई पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों को संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए हैं। जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं। जातीय जनगणना से ही सामाजिक न्याय मिलेगा। सामाजिक न्याय का रास्ता जातीय जनगणना से निकलता है, जातीय जनगणना हर हालत में होनी चाहिए। धरनें मे मुख्य रूप से विधायक पंकज पटेल, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, राजबहादुर यादव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष फैसल हसन तबरेज, ऊदल यादव, श्रवण जायसवाल राहुल त्रिपाठी इरशाद मंसूरी हीरालाल विश्वकर्मा राजेंद्र टाइगर, राजेश यादव विवेक रंजन राजन यादव, शुशील चन्द्र, मेवा लाल गौतम संजय सरोज अनील दूबे, भानु मौर्या गुड्डू सोनकर शिवजीत दिलीप प्रजापति आशुतोष मौर्या रामू मौर्या, रुक्सार अहमद, मनोज मौर्या, राकेश अहिर, राजकुमार बिन्द, दीपचंद राम, विरेन्द्र यादव, सालिकराम पटेल, सुभाष पटेल, पंकज मिश्रा, राममूर्ति सरोज राहुल यादव, संजीव साहू, सहित काफी संख्या में गंठबंधन के लोग मौजूद रहे संचालन निवर्तमान महासचिव अखण्ड प्रताप यादव के ने किया।

डा० दयाशंकर मिश्र दयालु राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उ०प्र० सरकार ने खादी उत्सव प्रदर्शनी-2023 का किया उद्घाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड वाराणसी द्वारा खादी उत्सव-2023 का आयोजन अर्बन हॉट प्रांगण, चौकाघाट वाराणसी में 21 दिसम्बर 2023 से 4 जनवरी 2024 तक किया जा रहा है` खादी उत्सव प्रदर्शनी-2023 का उ?द्घाटन मुख्य अतिथि डा० दयाशंकर मिश्र दयालु राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उ०प्र० सरकार के कर कमलों द्वारा 22 दिसम्बर 2023 को किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डा० अकोश सिंह विधायक पिण्डरा, हंशराज विश्वकर्मा सदस्य विधान परिषद जिलाध्यक्ष भाजपा वाराणसी ,हिमांशु नागपाल आई०ए०एस० मुख्य विकास अधिकारी वाराणसी, उमेश कुमार सिंह सयुक्त आयुक्त (उद्योग) वाराणसी मण्डल एवं एस०पी० खण्डेलवाल निदेशक खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग वाराणसी उपस्थित रहें` विभागीय अधिकारियों में वी०के० सिंह जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जौनपुर, गिरजा प्रसाद, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी चन्दौली एवं अमिता श्रीवास्तव जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गाजीपुर उपस्थित रहें। प्रदर्शनी में कुल 120 स्टाल लगाये गये है प्रदर्शनी में मण्डल के अतिरिक्त प्रदेश के बाहर के प्रदेशों जैसे-जम्मू कश्मीर, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार,उत्तराखण्ड एवं बंगाल के भी स्टाल लगाये गये है जिसमें खादी के स्टालों में ऊनी शाल, सिल्क की साड़ियाँ सूती खादी के वस्त्र,

कम्बल, कुर्ता, शदरी गद्दा, रजाई, चादर, कारपेट एवं सिले सिलाये खादी के परिधान उपलब्ध है एवं ग्रामोद्योगी उत्पादों में लगने वाले स्टाल में जैम, जेली, आचार, मुरब्बा, अगरबत्ती, नमकीन, लकड़ी के फर्नीचर, आलमारी, बक्सा, आयुर्वेदिक औषधी, दर्द निवारक तेल इत्यादि उपलब्ध है। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराना एवं विपणन में सहायता व बिकी के लिये प्रोत्साहित किया जाना है।

संक्षिप्त खबरें

एसपी ने किया पुलिस लाइन का निरीक्षण

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज। जनपद महराजगंज पुलिस अधीक्षक द्वारा कानून व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने हेतु आज पुलिस लाइन का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक महराजगंज सोमेंद्र मीणा द्वारा पुलिस लाइन में शुक्रवार की परेड के उपरांत आदेश कक्ष,जीडी/गणना कार्यालय का निरीक्षण किया गया,संबंधित कर्मियों का ओ0आर0 किया गया। पाई गई कमियों को दूर करने के लिए प्रतिसार निरीक्षक को आवश्यक निर्देश दिए।उसके उपरांत मेस,आरक्षी बैरक, डायल 112,आवासीय परिसर, कैंटीन, शौचालय आदि का निरीक्षण किया गया तथा साफ-सफाई हेतु प्रतिसार निरीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

खबर का हुआ असर निर्माणाधीन सड़क का निर्माण कार्य हुआ चालू

न.पंचायत मे निर्माणाधीन सड़क से जनता को हो रही परेशानी

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज। बंद है।जिसके कारण सड़क नगर पंचायत बृजमनगंज पर चलने वाले लोगों को चोट वार्ड नं 13 मे कस्बे के भी लग रहा है।तथा आने प्रस्तावित मुख्य गल्ला जाने मे काफी दिक्कतें हो रही मंडी मार्ग को सीसीरोड हैं।उन्होंने कहा कि यदि बनाने के लिए ठेकेदार द्वारा सोमवार से ठेकेदार द्वारा पुरानी सड़क को तोड़कर सड़क निर्माण कार्य नहीं शुरू गिट्टी गिराकर छोड़ दिया किया गया तो इस मामले को गया है।जिसके कारण उस लें कर जिलाधिकारी मार्ग पर रहने वाले लोगों महराजगंज को अवगत को एवं आने जाने वाले कराया जायेगा। सड़क राहगीरों को काफी निर्माण का कार्य मानक के दिक्कतों का सामना करना अनुसार हो। स्वछ भारत पड़ रहा है।वार्ड नं 13 मिशन के तहत सडकों पर निवासी पूर्व सभासद साफ सफाई के साथ नगर प्रत्याशी गणेश जायसवाल पंचायत की सड़कें बिजली ने कहा कि रोड टुटने के पानी की व्यवस्था दुरुस्त हो। बाद हफ्तों से निर्माण कार्य

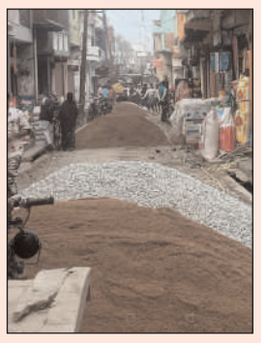

प्रखर महराजगंज।नगर पंचायत बृजमनगंज वार्ड नं 13 मे कस्बे के प्रस्तावित मुख्य गल्ला मंडी मार्ग को सीसीरोड बनाने के लिए ठेकेदार द्वारा पुरानी सड़क को तोड़कर गिट्टी गिराकर छोड़ दिया गया है।जिसके कारण उस मार्ग पर रहने वाले लोगों को एवं आने जाने वाले राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।वार्ड नं 13 निवासी पूर्व सभासद प्रत्याशी गणेश जायसवाल ने कहा कि रोड टुटने के बाद हफ्तों से निर्माण कार्य बंद है।जिसके कारण सड़क पर चलने वाले लोगों को चोट भी लग रहा है।तथा आने जाने मे काफी दिक्कतें हो रही हैं।उन्होंने कहा कि यदि सोमवार से ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण कार्य नहीं शुरू किया गया तो इस मामले को लेकर जिलाधिकारी महराजगंज को अवगत कराया जायेगा। पूर्वांचल द्वारा इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित करने पर खबर का हुआ असर।जिम्मेदार लोगों द्वारा आज दिनांक 22 दिसम्बर से कार्य चालू किया गया।

जीम मे दी गई सीपीआर की ट्रेनिंग

प्रखर वाराणसी। बॉब्स जीम लंका में बृहस्पति फाउंडेशन द्वारा सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजकीय चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शिव शक्ति द्विवेदी रहे उन्होंने सीपीआर का प्रशिक्षण दिए और उन्होंने बताया कि सीपीआर का विषय बहोत घंभीर है इसकी जानकारी हर आम नागरिक को होनी चाहिए` बृहस्पति फाउंडेशन के अध्यक्ष अमित प्रजापति ने बताया कि कोविड के बाद हृदय घात की समस्या आम होती जा रही है इसलिए सीपीआर प्रशिक्षण का हर एक नागरिक को जानकारी होनी चाहिए और हमारा संकल्प है कि इसे काशी के आम नागरिक तक पहुंचाया जाए` मंच का संचालन आंचल सिंह के द्वारा किया गया` बॉब्स जीम के मैनेजर सागर ने इस तरह के आयोजन के लिए एन.जी.ओ का आभार व्यक्त कियोइस अवसर पर डॉ प्रेरणा पाण्डे एव बृहस्पति फाउंडेशन से आचल सिह ,रेनू पांडेय , रोहित सोनी , आशा पांडेय ,आदि लोग मौजूद रहे।

जमीनी विवाद को लेकर डीएम व एसपी से केराकत पुलिस की शिकायत

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के सरकी चौकी अंतर्गत जमीनी विवाद को लेकर सुल्तानपुर गांव के पीड़ितों ने केराकत पुलिस की शिकायत डीएम और एसपी से कर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ितों ने आरोप लगाया है कि बिना राजस्व विभाग के पुलिस पर गांव पंहुचकर मनमानी की। पुलिस पर मोबाइल छीनने व अभद्रता का भी आरोप लगाया गया है। इसको लेकर पुलिस अधीक्षक व जिलाधिकारी से शिकायत की गई है। बताया जाता है कि गांव में समरू यादव व रामसुख यादव के बीच पुराना जमीनी विवाद है। एक पक्ष ने अनुसार चार माह पूर्व घर की जल निकासी हेतु पाइप बिछाया गया था। आरोप है कि गुरूवार को दूसरा पक्ष पुलिस को मौजूदगी में फरसा कुदाल आदि के साथ पंहुचा और पाइप निकालने लगा। पीड़ित ने वीडियो जारी करके आरोप भी लगाया है। एक पक्ष ने आरोप लगाया है कि पुलिस की सह पाकर दूसरे पक्ष ने पाइप उखाड़कर फेंकने का काम किया है और लगभग 15 हजार की पाइप का नुकसान कर दिया। उक्त मामले में केराकत कोतवाल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि जिस जगह पर पाइप लगाई गई है वह जमीन भीटा खाते की है, जिसको लेकर एक पक्ष ने उच्च अधिकारियों से शिकायत की थी। जहां पर लेखपाल व कानूनगो की रिपोर्ट पर उप जिलाधिकारी का आदेश हुआ कि उक्त जमीन हुए अतिक्रमण को हटाया जाए और वहां पर दोनों पक्षों के बीच कोई भी बात ना हो इसलिए पुलिस द्वारा लाइ एंड ऑर्डर को मेंटेन करने के लिए भेजा गया था।

शार्ट सर्किट से दुकान में लगी आग, 5 लाख का नुकसान

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा बाजार में शुक्रवार की सुबह 9 बजे शार्ट कट से लगी आग से 5 लाख रुपये के कपड़े व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जल कर राख हो गए। बताया जाता है कि युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष विपिन कुमार जायसवाल उर्फ पिंटू जायसवाल के कपड़े की दो मंजिला दुकान है। सुबह 9 बजे ऊपरी मंजिल में बिजली के शार्ट सर्किट के चलते इनवर्टर व बैटरी में लगी आग पूरे दुकान में आग फैल गई। जिसे आसपास के लोग बुझाने के लिए बाल्टी लेकर दौड़े लेकिन आग के लपट के आगे पीछे हट गए उसके बाद अग्निशमन विभाग के लोग पहुचे और आग पर काबू पाया। सूचना पर फूलपुर पुलिस भी मौके पर पहुच गई। पीड़ित व्यापारी पिंटू जायसवाल ने बताया कि उक्त आग से 5 लाख रुपये के कपड़े जलकर राख हो गई। कल ही कपड़ा आया था। वही इनवर्टर के साथ दो बैटरी व फ्रिज भी जलकर राख हो गया।दरवाजा तोड़ने के बाद अंदर घुसकर आग पर काबू पाया जा सका।

जाम के झाम से जूझ रहा है एनएचआई 28 पर स्थित बेलौहा चौराहा, अतिक्रमण से नाक में दम, राहगीरों की मुस्किलें बढ़ी

प्रखर संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ का सक्त आदेश हैं की शहर, नगर पंचायत, नगर निगम तथा सड़को पर चौराहे को अतिक्रमण मुक्त किया जाय। लेकिन संतकबीरनगर जिले के चुरेंब के अंतर्गत बेलौहा चौराहे पर अतिक्रमण ने स्थानीय नागरिकों के नाक में दम कर दिया हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना हैं की कौआ टाड़ गांव की तरफ से आने वाला रास्ता सकरा हैं । सकरे रास्ते में दुकानदारों के द्वारा अतिक्रमण से आवागमन बाधित रहता हैं एनएचआई पर बने फ्लाई ओवर पुल के नीचे ठेले वालों के अतिक्रमण के चलते स्थानीय लोगो के चलते आने जाने वाली राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हैं। इस अतिक्रमण से स्कूल के बच्चे ,तथा एंबुलेंस के आने जाने में भी यहां पर काफी समय लगता हैं चौराहे को पार करने में। आपको बताते चले की शासन तथा प्रशासन को कई बार स्थानीय लोगों ने कई बार शिकायत की गई मगर कोई कार्यवाही नहीं की गई। जिससे समस्या का समाधान नहीं हो सका। मुख्यमंत्री के सख्त आदेशों के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटा और न ही कोई कार्यवाही की गई। सरकारी दावे यहां पर फेल नजर आ रहा हैं। इस अतिक्रमण का खमियाजा वहा की स्थानीय जनता को रोज भूगतना पड़ता हैं। इस अतिक्रमण से स्थानीय लोगो में काफी आक्रोस व्याप्त हैं। स्थानीय लोगों की मांग है की चौराहे से अतिक्रमण को खत्म किया जाए अन्यथा प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे यहां के लोग जिसकी जिम्मेदारी स्थानीय शासन और प्रशासन की होगी।

बैडमिंटन में सहजनवां ने एसआर क्लब को हराया

प्रखर जौनपुर। क्षेत्र के नंदापार में बैडमिंटन युगल स्पर्धा रात्रि कालीन प्रतियोगिता चल रही है। प्रतियोगिता में दूसरे दिन चार मैच खेले गए। पहला मैच यंग इंडिया सहजनवां एसआरटीम के बीच हुआ। इसमें से एस आर टीम ने मैच में जीत दर्ज की। दूसरा मैच बंगाल टाइगर व तूफानी के बीच हुए मुकाबले में तूफानी टीम ने जीत दर्ज की। तीसरा मैच गोलू रेटिश और आर्यन मैन के बीच हुआ। इसमें गोलू रेटिश विजेता हुआ। सेमीफाइनल चौथा मैच एस आर और चिरई क्लब के बीच हुआ इसमें चिरई क्लब सहजनवा ने जीत दर्ज की। सहजनवा की टीम सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली पहली टीम है। इस दौरान मुख्य अतिथि नागेंद्र राम त्रिपाठी जी रहे।

घना कोहरा से बस ट्रक की हुई भिड़ंत में चालक समेत आठ घायल

प्रखर मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के रायबरेली जौनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ईटहरा बाईपास पर शुक्रवार की सुबह साढे आठ बजे यात्रियों को लेकर बादशाहपुर आ रही एक प्राईवेट बस की विपरीत दिशा से आ रही डीसीएम ट्रक की घने कोहरे के चलते आमने-सामने की भिडंत हो गयी। जिसमे दोनो वाहनों के चालकों सहित 8 यात्री घायल हो गए। अन्य यात्रियों को भी हल्की चोटें आई जिन्हें उपचार के बाद डाक्टरों ने छुट्टी दे दी। बताते हैं कि सुजानगंज बेलवार से सवारी लेकर बादशाहपुर आ रही एक प्राईवेट बस जैसे ही ईटहरा बाईपास पर पहुची कि घने कोहरे के कारण विपरीत दिशा से लखनऊ जा रही डीसीएम ट्रक और बस से सामने

से भिडंत हो गई। जिससे बस में बैठे रजनीश (33) आएशा (41) सितारा (31) निवासी बेझवत थाना सुजानगंज ,गंगा प्रसाद (72) निवासी सराय केवट सुजानगंज , प्रेमशीला (51) सौदपुर सुल्तानपुर, कुसुम सिंह (29) मुंगराबादशाहपुर, डीसीएम चालक विकास (24) निवासी कैलीडीह थाना फतनपुर प्रतापगढ़ व बस चालक ललऊ (37) सराय केवट सुजानगंज घायल हो गए ।दोनो वाहन चालकों की हालत गंभीर देख चिकित्साधिकारी ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।बस में अन्य यात्रिओ को भी चोटें आई थीं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।घटना की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह मौके पर पहुच गए दोनो वाहनों को थाने ले लाये और यात्रियों को दूसरी बस से उनके गंतव्य स्थान पर भेज दिया।

आखिर सीढ़ियों व ऊपरी तल पर फैली गंदगी से कब मिलेगी निजात?

प्रखर केराकत, जौनपुर। तहसील दिवस सभागार की सीढ़ियों व ऊपरी तल के शौचालय के साथ साथ इर्द गिर्द फैली गंदगी की खबर "प्रखर पूर्वांचल" प्रमुखता से प्राकाशिक कर रहा है मगर तहसील प्रशासन की नजर फैली गंदगी की तरफ इनायत नहीं हो रही है।गुरुवार को खबर प्रकाशित हुई कि उप जिलाधिकारी ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर अस्पताल में गंदगी देख नाराजगी व्यक्त करते हुए सुधार लाने के निर्देश दिए। सही भी है कम से कम उपजिलाधिकारी की नजरे अस्पताल की गंदगी पर इनायत तो हुई। अस्पताल आने वाले तमाम मरीज और तीमारदारों ने इसकी मुक्त कंठ से सराहना भी की होगी। होनी भी चाहिए। अब वहीं दूसरी ओर लोगबाग सवाल दाग रहे हैं कि आखिरकार उप जिलाधिकारी की नजरें क्यों नहीं तहसील सभागार के सीढ़ियों व ऊपरी तल के शौचालय व उसके इर्द गिर्द फैली गंदगी पर जा रही हैं। जहां गंदगी के अंबार लगे होने के साथ-साथ दरो और दीवार पर स्वच्छता अभियान की पोल खोलते हुए दिख

रही है।

उपजिलाधिकारी की नजरे कब इनायत होगी?- गौरतलब हो कि देश के प्रधानमंत्री स्वच्छता के हिमायती हैं, जो निरंतर अपने संदेश के जरिए देशवासियों को स्वच्छता अभियान के लिए न केवल प्रोत्साहित करते हैं बल्कि घर आफिस इसे लेकर अपने आसपास साफ सफाई व्यवस्था पर भी जोर देते आ रहे हैं। समय-समय पर विभिन्न विभागों के सरकारी मुलाजिम भी स्वच्छता अभियान को लेकर जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए जन जागरूकता अभियान चलाते हैं बावजूद इतने सबके बाद भी फैली गंदगी पर नजर न आना अधिकारियों की उदासीनता एवं अभियान के उद्देश्यों पर पानी फेरता हुआ नजर आ रहा है।

रामजनम यादव के कंधे पर लगा एक और सितारा, उप निरीक्षक से बनाए गए निरीक्षक

प्रखर जौनपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा द्वारा केराकत तहसील के थाना प्रभारी रामजनम यादव के कंधे पर एक और सितारा लगाकर उन्हें पदोन्नत करते हुए उप निरीक्षक से बनाया निरीक्षक। बताते चलें कि उत्तर प्रदेश के पुलिस विभाग में तैनात रामजनम यादव मऊ जिले के रहने वाले हैं जो जौनपुर जनपद में तीन वर्षो से क्राईम ब्रांच प्रभारी के रूप में तैनात रहें। तेज तर्रार रामजनम यादव ने बहुत से मामलों का बड़ी ही सूझबूझ के साथ खुलासा किया है। जिनके कार्यो को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा ने केराकत थाने की जिम्मेदारी सौंपी है। जिनकी पदोन्नति कर उनके कंधे पर एक और सितारा लगाकर उप निरीक्षक से निरीक्षक बनाया। बताते चलें कि श्री यादव जौनपुर जनपद के पुलिस विभाग में एक ऐसे पुलिस अधिकारी हैं जो अपने सूझबूझ के साथ बड़ी ही कुशलता पूर्वक सभी मामलों का निस्तारण कर एक अलग ही पहचान बनाए हुए हैं। जिनकी पदोन्नति से विभाग सहित उनके चाहने वालो में खुशी की लहर हैं।

स्वर्गीय पंडित विक्रमादित्य मिश्र (अर्थशास्त्री) की सातवीं पुण्यतिथि पर कबीरचौरा अस्पताल में महिलाओं को नि:शुल्क कंबल का वितरण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत एकता जन विकास मिशन के तत्वाधान 22 दिसम्बर शुक्रवार को स्व० पंडित विक्रमादित्य मिश्र अर्द्धशास्त्री कि सातवीं पुण्य तिथि पर कबीरचौरा मण्डलीय चिकित्सालय में महिलाओं को नि:शुल्क कम्बल बांटने का आयोजन किया गया। डी० सी०पी०काशी आर०एस० गौतम (आई०पी० एस०) ने कहा कि समाज में शिक्षा सर्वोपरि है उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यों में समाज के सभी लोगों को अपना योगदान देना चाहिए उसी क्रम में सी०एमओ० वाराणसी संदीप चौधरी ने कहा कि मिश्रा जी ऐसे प्रवक्ता थे जिन्होंने देश में कितने विद्यार्थियों को शिक्षा दिया जो देश की सेवा में लगे हैं उसी क्रम में कबीरचौरा अस्पताल के सी०एम०एस० श्री प्रकाश सिंह ने कहा कि स्वतंत्र मिश्रा इसके उदाहरण हैं जो अपना जीवन समाज के सेवा के लिए समर्पित कर दिये हैं इस आयोजन से देश में एक अच्छा सन्देश जाता है` काशी एक शिक्षा की नगरी रही है कबीरचौरा अस्पताल भी बहुत पुराना है जो देश तथा प्रदेश के लोगों की सेवा में तत्पर है

अन्तर्राष्ट्रीय धाविका नीलू मिश्रा जो देश तथा विदेश में भारत का नाम ऊँचा कर रही हैं। कार्यक्रम में धन्यवाद तिलकराज कपूर ने किया (राष्ट्रपति पदक प्राप्त)। कार्यक्रम के संयोजक स्वतंत्र मिश्रा ने सभी लोगों को स्मृत चिन्ह तथा अंगवस्त्र देकर सम्मान किया और कहा कि सामाजिक कार्य में सभी लोगों को आगे आना चाहिए।

कुष्ठ एवं टीबी रोगियों के बीच कंबल और अन्य सामग्री वितरित

प्रखर कुशीनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फाजिलनगर पर शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश पटारिया ने कुष्ठ और टीबी रोगियों के बीच कंबल और अन्य सामग्री वितरित किया। साथ ही दोनों प्रकार के रोगियों को सलाह दी कि वह लोग अपने रोग के प्रति सचेत रहें। समय समय पर जांच कराकर उपचार लेते रहें। टीबी रोगी नियमित दवा और पौष्टिक आहार लेते रहें. सीएमओ ने कुष्ठ और टीबी रोगियों को कंबल, टोपी, फल और मिष्ठान दिया साथ ही कुष्ठ रोगियों को एमसीआर चप्पल वितरित किया। वहीं पर कुष्ठ तथा टीबी रोग के लक्षण, जांच और उपचार के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने टीबी रोगियों से कहा कि वह पौष्टिक आहार तथा नियमित दवा लेते रहे। चिकित्सक की सलाह लिए बिना अपने मन से दवा बंद न करें। टीबी और कुष्ठ के लक्षण दिखे तो जांच जरूर कराएं। कुष्ठ और टीबी रोगियों के बीच की

गयी सामग्री को कुष्ठ विभाग के एनएमएस रमेश प्रसाद त्रिपाठी ने उपलब्ध कराई थी। जिला कुष्ठ परामर्शदाता डॉ. विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि कुष्ठ एक संक्रामक रोग है जो कि माइकोबैक्टेरियम लेप्री नामक जीवाणु से फैलता है।अगर समय पर कुष्ठ रोग का पता चल जाए तो व्यक्ति दीर्घकालीन दिव्यांगता से बच सकता है कुष्ठ संक्रमित मरीज द्वारा यह रोग फैलता है और का इलाज सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर निःशुल्क किया जाता है। उन्होंने कुष्ठ रोग के लक्षण के बारे में बताया कि गहरे रंग की त्वचा के व्यक्ति में हल्के रंग के धब्बे और हल्के रंग के व्यक्ति की त्वचा में गहरे अथवा लाल रंग के धब्बे, त्वचा के दाग धब्बों में संवेदनशीलता (सुन्नपन), हाथ या पैरों में अस्थिरता या झुनझुनी, हाथपैरों या पलकों में कमजोरी, चेहरे, कान में सूजन या घाव तथा हाथ या पैरों में दर्द रहित घाव बनता है। कुष्ठ रोग में संवेदनहीनता और मांसपेशियों की कमजोरी के फलस्वरूप तंत्रिका क्षति के कारण शारीरिक दिव्यांगता और विकृति का कारण बनता है। कुष्ठ रोग से होने वाली दिक्कतों से बचाव के लिए विशेष तरह के जूते-चप्पल आते हैं उन्हें पहने। हाथ पैर को साफ और मुलायम रखें। आँखों में इसका प्रभाव आने पर पलके लकवाग्रस्त हो सकती है। जिससे आँख पूरी तरह बंद नहीं हो पाती। ऐसी अवस्था में आंखों में चोट लगने की संभावना बढ़ जाती है इसलिए आँखों का विशेष ध्यान रखे। दिन में चश्मा लगाएं तथा रात्रि में सोते समय आंखों को स्वच्छ कपड़ों से ढक दें। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ.उमा शंकर नायक ने टीबी रोग के बारे में विस्तार से बताया और लोगों से अपील किया कि 2 हफ्ते से ज्यादा की खांसी होने पर चिकित्सालय आकार चिकित्सक को अवश्य दिखाएं। उन्होंने कहा की किसी भी रोगी को किसी भी तरह के परेशानी होने पर तत्काल उनसे संपर्क कर सकते हैं । अस्पताल की तरफ से उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर डॉ. दिलीप गुप्ता, राकेश सोनकर (एसटीएस), आर डी सिंह, प्रदीप गुप्ता, मदन यादव, सुभाष गुप्ता एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। वहीं पर आशा कार्यकताओं को अर्ध दिवसीय कुष्ठ संवेदीकरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

फिल्म इवेंट

छॉलीवुड

पुर्नजन्म पर आधारित फिल्म मिस यू मोर स्वीट हार्ट 29 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ी सिनेमा में नई पीढ़ी नए-नए प्रयोग कर रही है। अब पुर्नजन्म पर आधारित फिल्म बड़े परदे का रुख करने वाली है। निर्माता पुलकित नान्जियानी और ऋतिक अमरानी की फिल्म ₹मिस यू मोर स्वीट हार्ट₹ 29 दिसंबर को प्रदेश के अधिकतम सिनेमाघरो में प्रदर्शित हेतु तैयार है। शेखर चौहान,जॉनसन अरुण, द्वारा निर्देशित फिल्म में पुर्नजन्म जैसे विषय को छूने की कोशिश की गई है। निर्माताओं ने ताया कि फिल्म की कथा, पटकथा और डायलॉग जॉनसन अरुण ने लिखी है फिल्म का संगीत अमित प्रधान ने दिया है। गीतों में स्वर दिया है शुभम साहू, सुनील सोनी, मोनिका वर्मा, मुनमुन चक्रवर्ती ने। वेशभूषा - विलास रॉउत, कास्ट्यूम रज्जू आर्ट राधे द्वारा किया गया है। फिल्म में नायक की भूमिका में भूपेश चौहान और नायिका की भूमिका में इशिका यादव नजर आएँगी। फिल्म के अहम किरदारों में छत्तीसगढ़ के नामीगिरामी कलाकार- पुष्पेन्द्र सिंह, योगेश अग्रवाल, लक्की रघुवंशी, क्रांति दीक्षित, सरला सेन, नकुल महलवार, विजय मिश्रा, संगीता निषाद, राजू पाण्डेय, राजू नगरची, सुभाषनी जॉर्ज, जूनियर शाहरुख़ खान (मुम्बई) ,किशलाल, हेमंत निषाद, स्वीटी साहू और रानू आदि नजर आयेंगे।

टॉलीवुड

'कल्कि 2898 एडी' को लेकर आया नया अपडेट

कमल हासन तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। फैंस को उनकी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है। 'विक्रम' की शानदार सफलता के बाद उनके पास बहुत सारी फिल्में हैं। वे जल्द ही 'कल्कि 2898AD' में खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। नाग अश्विन के निर्देशन में बन रही इस साइंस फिक्शन ड्रामा में अमिताभ बच्चन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। हाल ही में फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। जानकारी के मुताबिक कमल हासन ने 'कल्कि 2898AD' की शूटिंग पूरी कर ली है। चूंकि प्रभास अपनी आगामी रिलीज 'सालार' के प्रचार में व्यस्त हैं, इसलिए निर्देशक नाग अश्विन ने कमल हासन से जुड़े कुछ हिस्सों को फिल्माने फैसला किया था। कुछ समय पहले अभिनेता को हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग करते हुए भी देखा गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्होंने कथित तौर पर 'कल्कि 2898AD' की शूटिंग पूरी कर ली है। बताया जा रहा है कि अभिनेता ने फिल्म के लिए 20 दिनों तक शूटिंग की है। फिल्म का अगला शेड्यूल काफी अहम होने वाला है और यह प्रभास द्वारा 'सलार पार्ट 1: सीजफायर' का प्रमोशनल काम पूरा करने के बाद शुरू होगा। बता दें कि कमल हासन अपनी फिल्म 'इंडियन 2' के लिए काफी सुर्खियों में हैं। इस फिल्म का निर्देशन शंकर कर रहे हैं। यह 90 के दशक में आई इंडियन का सीक्वल है। फिल्म में कमल हासन सेनापति के किरदार में वापसी करते हुए नजर आने वाले हैं।

भोजपुरी

नए साल पर कल्लू का तोहफा 'मिले आवा नए साल पर' जारी

पटना। साल 2023 में कुछ ही दिन बचे हुए हैं। नए साल के स्वागत की तैयारी में आम लोगों से लेकर सिनेमा के सितारे भी जुट गए हैं। भोजपुरी सिनेमा के अभिनेता और गायक अरविंद अकेला कल्लू ने नए साल पर भोजपुरी गीत 'मिले आवा नए साल पर' आज अपने यूट्यूब चैनल कल्लू म्यूजिक वर्ल्ड पर रिलीज किया है। इस म्यूजिक वीडियो में उन्होंने भोजपुरी अभिनेत्री शिल्पी राघवानी के साथ स्क्रीन शेयर किया है। इस म्यूजिक वीडियो के जरिए उन्होंने अपने प्रशंसकों को नए साल की शुभकामनाएं दी है। म्यूजिक वीडियो की शुरुआत में अभिनेता नजर आते हैं। वे नए साल में अपनी प्रेमिका का छोटे छोटे गिफ्ट देकर उसे इंप्रेस करने की कोशिश करते हैं। लेकिन नायिका उसके दिए गिफ्ट से इंप्रेस नहीं होती है। फिर वे अपने रुमाल पर 'आई लव यू' लिखकर 'लिखि ला भालेत जात बानी रुमाल पर, बोलवले बिया माल मिले खातिर नया साल पर' गाते नजर आते हैं। नायिका, नायक के इस अंदाज से काफी इंप्रेस होती है। इस म्यूजिक वीडियो में अरविंद अकेला कल्लू और शिल्पी राघवानी के बीच जबरदस्त केमेस्ट्री देखने को मिली है। इस म्यूजिक वीडियो के जरिए अरविन्द अकेला कल्लू ने यह बताने की कोशिश की है कि, किसी को गिफ्ट देकर इम्प्रेस नहीं किया जा सकता है। चाहे प्रेमिका हो, भाई बहन माता पिता या कोई और, उन्हें प्यार की जरूरत होती है। अरविन्द अकेला कल्लू ने इस म्यूजिक वीडियो के जरिए अपने प्रशंसकों को यह समझने की कोशिश की है कि आने वाले नए साल में सबसे प्यार से रहे। अरविन्द अकेला कल्लू कहते हैं, 'नए साल के जश्न की तैयारी लोग अपने अपने तरीके से कर रहे हैं, मैं प्रेम बांटकर नए साल के जश्न की तैयारी कर रहा हूं।' भोजपुरी अभिनेता कहते हैं, 'नए साल पर मेरा यह म्यूजिक वीडियो मेरे प्रशंसकों के लिए एक खास तोहफा है। जैसा कि मैंने पहले ही आपको बताया था कि हर त्योहार पर अपने प्रशंसकों के लिए कोई ना कोई म्यूजिक वीडियो जरूर लेकर आता हूं।

लाइफ स्टाइल

वेडिंग ड्रेस की बहार

शादियों के इस मौसम में वेडिंग ड्रेस की बहार आई हुई है। डिजाइनर राहुल मिश्रा के डिजाइन किए हुए वेडिंग ड्रेस में मॉडल मीशा संधू जादू जगा रही है। आज बार्बी-शैली वाली वेडिंग ड्रेस को खूब पसंद किया जा रहा है। गहरे नीले रंग की वेडिंग ड्रेस दुल्हन पर खूब जंचेगी। डिजाइनर राहुल मिश्रा के कलेक्शन इन दिनों आलीशान शादियों की पहचान बन गए हैं।

ड्राई स्कैल्प और सिर में हो रही खुजली को ऐसे करें ठीक

जब आपकी सिर की त्वचा नमी खोने लगती है, तो धीरे-धीरे स्कैल्प में ड्राइनेस होने लगती है। इस स्थिति के कारण खुजली और पपड़ियां बनने लगती हैं। इसके कारण सिर की त्वचा में जलन हो जाती है और वह परतदार हो जाती है। ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से आपका स्कैल्प ड्राई हो सकता है। बालों की देखभाल करने वाले कुछ उत्पाद भी आपके स्कैल्प को ड्राई और इरिटेट कर सकते हैं। ऐसा सीजन के बदलने और एजिंग के कारण हो सकता है। स्कैल्प को नमी देने के लिए आप घरेलू नुस्खों को आजमा सकती हैं। इससे काफी हद तक सिर की त्वचा की खुजली और जलन में मदद मिल सकती है। आप नारियल के तेल की मदद से हॉट थेरेपी ले सकते हैं। यह स्कैल्प को मॉइश्चराइज करने में मदद करेगा। इसके एंटीफंगल और जीवाणुरोधी गुण किसी तरह के संक्रमण को कम करने में भी मदद कर सकते हैं। एलोवेरा जेल त्वचा की जलन को कम करने में मदद करता है और इसके साथ ही त्वचा को ठंडक प्रदान करता है। इसके कई गुण ड्राई स्कैल्प की समस्या में मदद कर सकते हैं। इतना ही नहीं, यह त्वचा को मॉइश्चराइज और नमी देने में मदद करता है।

नाइट वेडिंग लुक के लिए बेस्ट रहेंगे लिपस्टिक के ये खास

हर लुक में हम मेकअप करना पसंद करते हैं, लेकिन कई बार हम अपने लुक के हिसाब से परफेक्ट लिप शेड नहीं चुन पाते हैं और अपना लुक बिगाड़ लेते हैं। तो चलिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं कुछ ऐसे लिप शेड्स जिन्हें आप खासतौर से नाइट वेडिंग लुक के लिए ट्राई कर सकती हैं। फेयर से लेकर मीडियम स्किन टोन के साथ बोल्ड चॉकलेट ब्राउन कलर बेस्ट नजर आता है। इस तरह का कलर आप किसी भी सटल जैसे ऑफव्हाइट कलर की आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं। वहीं आई मेकअप के लिए आप न्यूट्रल टोन के आई शैडो को चुनें। मिनिमल या नो मेकअप लुक को कैरी करना चाहती हैं तो ब्राउनिश पिंक कलर की न्यूड लिपस्टिक को अपनी वैनिटी में शामिल कर सकती हैं। इस तरीके के लुक में आप बेस मेकअप को ड्युई रखें। ऐसा करने से आपका चेहरा ग्लोइंग नजर आएगा।

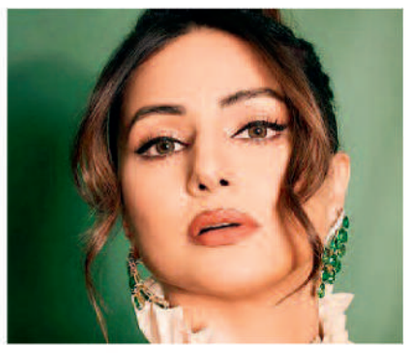

सर्दियों में साड़ी के साथ स्वेटर को मिक्स मैच करके स्टाइल करें ब्लाउज

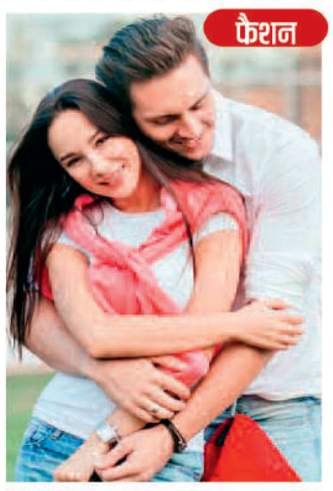

साड़ी स्टाइल करना हर लड़की को पसंद होता है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत सर्दियों में होती है, जिसके लिए आप इन स्टाइल टिप्स को फॉलो कर सकती हैं।साड़ी स्टाइल करना हर लड़की पसंद करती है। इसके लिए अलग-अलग डिजाइन की साड़ियां खरीदती हैं ताकि वो सबसे अलग और खूबसूरत लगे।

ब्लाउज के कलर से मैच करके स्टाइल करें स्वेटर

अगर आपको साड़ी में स्टाइलिश लगना है तो इसके लिए आपक सर्दियों में ब्लाउज के कलर के मैचिंग स्वेटर को खरीदें। इस बात का ध्यान रहे कि ये स्लीवलेस हो ताकि बाजू पर बने डिजाइन या फिर पैटर्न अच्छे से हाईलाइट हो सके। इस तरीके के स्वेटर को आप ब्लाउज के ऊपर वियर करें।

एक्सेसरीज को करें एड

इस लुक को और ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए साड़ी के साथ एक्सेसरीज को मिक्स मैच करें। इसके लिए (फुल स्लीव्स ब्लाउज) आप साड़ी के कलर से मैचिंग एक्सेसरीज वियर कर सकती हैं वरना आप चाहे तो कॉन्ट्रास्ट में भी ज्वेलरी वियर कर सकती हैं। इससे भी आप काफी सुंदर नजर आएगी।

इन बातों का रखें ध्यान

जब भी आप साड़ी के साथ स्वेटर वियर करें तो इसके लिए आपको सिंपल वर्क वाले स्वेटर को खरीदना है। इस बात का ध्यान रखें कि किसी और कलर को मैच करके साड़ी के साथ स्वेटर न पहनें। इससे (यंग लड़कियों के लिए ब्लाउज डिजाइन) आपका लुक खराब लग सकता है। जब भी आप ज्वेलरी खरीदें तो नेकलाइन का खास ध्यान रखें ताकि वो लुक को खराब न कर दें।

अपना प्यार पाने अपनाईए कुछ आसान डेटिंग टिप्स

फैशन

डेटिंग ये शब्द सुनने में कितना अच्छा लगता है। अगर आप भी किसी खास की तलाश में हैं, तो निराश न हों। इन आसान टिप्स की मदद से आप भी कुछ ही समय में अपना प्यार पा सकते हैं।

वैसे मॉडर्न डेटिंग के रूल्स पहले की तुलना में बहुत हल्के हो चुके हैं। पचास साल पहले, यह उम्मीद की जाती थी कि आदमी पहला कदम उठाएगा, रेस्टोरेंट के बिल चुकाएगा, और आम तौर पर ड्राइविंग सीट पर वही होगा।

अपने आप को बाहर निकालें

किसी खास से मिलना लगभग असंभव हो जाता है, यदि आप खुद को अपनी स्थिति से बाहर नहीं निकालते हैं। हो सकता है कि आपका दिल पहले कभी टूट गया हो या आप शर्म महसूस कर रहे हों-आपकी झिझक का कारण जो भी हो, यह महत्वपूर्ण है कि आप इससे बाहर आएं और और नए लोगों से मिलना शुरू करें।

लोगों से ऑनलाइन और वास्तविक जीवन में मिलें

हो सकता है कि आप डेटिंग ऐप्स की दुनिया में जाने के बजाय लोगों से व्यक्तिगत रूप से मिलना पसंद करते हों। लेकिन अगर आप जवान हैं, तो किसी अजनबी के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत शुरू करने का विचार अच्छा और बुरा दोनों हो सकता है। इसलिए किसी से मिलने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप दोनों एक दूसरे को समझने का प्रयास करें।

अपनी फ़्लर्टिंग तकनीक के बारे में ज़्यादा न सोचें

फ़्लर्टिंग करना हमेशा आसान नहीं होता है, लेकिन ज्यादातर मामलों में यह तब विफल हो जाता है जब आप इसके बारे में कुछ ज्यादा ही सोचते हैं या फिर खुद पर भरोसा करने बजाय किसी को प्रभावित करने के लिए तरकीबें आजमाते हैं। किसी भी नए इंसान से बात करते समय एक अच्छा तरीका ये है कि आप कल्पना करें कि आप किसी मित्र या परिवार के सदस्य के साथ चैट या बातचीत कर रहे हैं। इससे दबाव कम हो जाता है, जिससे आप आराम से अपनी पर्सनलिटी को सामने रख सकते हैं।

डेट के लिए जगह की प्लानिंग करें

डेट पर जाने की जगह भी महत्वपूर्ण है। किसी महंगे रेस्टोरेंट में जाना गलत नहीं है, लेकिन वहां का शोरगुल और सीट खोजने की मेहनत आपकी डेट को खराब कर सपकती है। आप ऐसी जगह चुनें, जिसे आप अच्छी तरह से जानते हों।

क्रिसमस पार्टी में दिखना है सबसे खास तो पहनें ये ट्रेंडी एक्सेसरीज

क्रिसमस पार्टी पर दिखना है सबसे खूबसूरत तो आपको कुछ ट्रेंडी एक्सेसरीज जरूर खुद के लिए खरीदना चाहिए। क्रिसमस का त्यौहार आने में ज्यादा समय नहीं रह गया है। क्रिसमस पर हम सभी अपने करीबी दोस्तों के साथ पार्टी करने जरूर जाते हैं। इस साल भी अगर आप क्रिसमस पर पार्टी करने का प्लान बना रही हैं तो आपको खुद के लिए कुछ ट्रेंडी एक्सेसरीज जरूर खरीदना चाहिए।

गोल्डन बालियां: इन दिनों गोल्डन बालियां का क्रेज चल रहा है। ऐसे में आप गोल्डन कलर की बालियां भी खुद के लिए खरीद सकती हैं। गोल्डन बालियां काफी ज्यादा खूबसूरत लगते हैं। इसे आप ड्रेस या फिर जींस के साथ भी पहन सकती हैं।

पेंडेंट पहने: आप डीप नेक ड्रेस कैरी कर रही हैं तो आपको इस ड्रेस के साथ पेंडेंट जरूर कैरी करना चाहिए। लाइट वेट पेंडेंट आपको आसानी से मिल जाएगा। कोशिश करें की आप सिल्वर कलर का पेंडेंट खुद के लिए खरीदें। बजट में होने के साथ ही इस तरीके के पेंडेंट आपको आसानी से मिल भी जाएगा।

हाथों में ब्रेसलेट: अगर आपने कुछ भी एक्सेसरीज कैरी नहीं किया है तो आपको अपने हाथों में घड़ी के साथ ही ब्रेसलेट भी पहन लेना चाहिए। यह आपके लुक को पूरे तरीके से चेंज कर सकता है। गोल्डन या सिल्वर कलर का ब्रेसलेट ही खरीदें। (पेंडेंट के साथ इस्तेमाल की जा सकती हैं यह पांच तरह की चेन्स)

डिज़ाइनर हेयर बैंड: पार्टी की थीम से मैचिग आप चाहे तो डिज़ाइनर हेयर बैंड भी खरीद सकती हैं। डिज़ाइनर हेयर बैंड काफी स्टाइलिश लगता है। इस तरीके के हेयर बैंड को आप चाहे तो खुद के लिए खरीद सकती हैं। इसे आप ड्रेस के साथ भी पहन सकती हैं।

कार्नर न्यूज

फार्मल कपड़ों के लिए बनाएं नियमों को रखें किनारे

कैजुअल स्टाइल में भी कर सकते हैं अपग्रेड, ये तरीके आएंगे काम

कैजुअल कपड़े...आराम वाले कपड़े... 'चिल मारो' वाले कपड़े...दोस्तों के साथ यादें संजोने वाले कपड़े कैजुअल कपड़ों को चुनने की बारी आती है तो हमें कुछ ऐसे ही काम याद आते हैं। फॉर्मल कपड़ों के बने बनाए नियमों को तोड़कर आपको आजादी से हर पल का मजा लेने का मौका देते हैं ये कैजुअल कपड़े।'वर्क फ्रॉम होम' वाले दौर में फॉर्मल के मुकाबले कैजुअल कपड़े ज्यादा ही पहने जा रहे हैं। ऐसे में ये जरूरी है कि हम इन्हें पहनने के कुछ खास टिप्स जान लें। पहचान लें कि कैजुअल कपड़ों के बेस्ट कॉम्बिनेशन क्या हैं? कैजुअल कपड़ों के रंग कैसे होने चाहिए?, कैजुअल ड्रेसिंग के लिए कौन-कौन सी बातें रखें याद? या पहले के मुकाबले अब कैजुअल ड्रेसिंग के नियम कैसे बदले हैं? जरूर आपके पास भी कुछ सवाल होंगे।

फिटिंग है जरूरी : आमतौर पर हम सभी लोग ऑफिस वाले फॉर्मल कपड़ों की ही फिटिंग का ध्यान रखते हैं। पैंट की कमर और पैटर्न जैसी चीजें अपने हिसाब से इसलिए चुनते हैं क्योंकि इनमें आपके बॉडी टाइप के हिसाब से फिटिंग मिल जाती है। जबकि कैजुअल ड्रेसिंग में अपने आराम को ही अहमियत देते हैं। आप भी यही करते हैं तो बिल्कुल गलत करते हैं। फिटिंग का ध्यान आपको फॉर्मल कपड़ों में भी रखना होगा। जैसे पैंट की हेम , क्रोच कम्फर्ट का ध्यान रखते हुए फिट होने ही चाहिए।

शर्ट का अंदाज : बात फिटिंग की हो तो ज्यादातर पुरुष शर्ट अपने साइज की खरीद लेना ही जिम्मेदारी मानते हैं। जबकि शर्ट की फिटिंग भी जब तक सही नहीं होगी, आपका कैजुअल लुक सही नहीं आएगा। कई बार यही शर्ट बैगी लुक देने लगती है, या फिर हाफ शर्ट की बाहें बड़ी होती हैं और हाथ उठाने पर अंदर तक नजर चली जाती है।

शायद ये अच्छा लगे या वो : कपड़ों के साथ प्रयोग करते रहना, आजकल की जरूरत है। फैशन का फंडा उन्हीं लोगों को साफ हो पाता है, जो स्टाइल के साथ प्रयोग करते रहते हैं। कैजुअल कपड़ों के साथ भी यही करना होता है।

कलर कौन सा चुनेंगे : कैजुअल कपड़ों को चुनते समय कलर का चुनाव भी सोच समझ कर करना होता है। इसको यूंही जो पसंद आए, या 'उस पर अच्छा लग रहा है तो मुझ पर क्यों नहीं' जैसी बातें सोच कर चुनना सही नहीं है। कैजुएल ड्रेसिंग को और बढ़िया करना है तो आपको अपने बॉडी टाइप के हिसाब से रंग चुनने होंगे। आप अगर पतले हैं तो हल्के रंग के कपड़े चुनिए और अगर वजन थोड़ा ज्यादा है तो गाढ़े रंग के कैजुअल कपड़े आपके लिए ठीक रहेंगे।

स्ट्राइप्स हों ऐसी : स्ट्राइप्स देख कर अक्सर फॉर्मल कपड़ों की याद आती है। पुरुष फॉर्मल कपड़ों में अक्सर स्ट्राइप्स पैटर्न चुनते भी हैं। मगर इनको चुनने का भी एक तरीका होता है। फॉर्मल कपड़ों में जहां हॉरिजोंटल स्ट्राइप्स अच्छी लगती हैं, वहीं कैजुअल कपड़ों में स्ट्राइप्स वर्टिकल बहुत सूट करती है। स्ट्राइप्स चुनने का ये सबसे अच्छा तरीका है, इसके साथ आपको अपने कैजुअल कपड़ों को चुनने में आसानी होगी।

संक्षिप्त खबरें

आईनाक्स के शेयर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। क्रायोजेनिक टैंक बनाने वाली आईनॉक्स इंडिया के शेयर निर्गम मूल्य 660 रुपये से 44 प्रतिशत उछाल के साथ बृहस्पतिवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 41.38 प्रतिशत चढ़कर 933.15 रुपये पर शुरुआत की। बाद में 48.31 प्रतिशत के उछाल के साथ 978.90 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर शेयर 43.88 प्रतिशत की तेजी के साथ 949.65 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। कंपनी का बाजार मूल्यांकन शुरुआती कारोबार में 8,522.24 करोड़ रुपये रहा। आईपीओ को पेशकश के आखिरी दिन गत सोमवार को 61.28 गुना अभिदान मिला था।

मुकुंद माहेश्वरी का इस्तीफा

नई दिल्ली। कल्याणी स्टील्स के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) बाल मुकुंद माहेश्वरी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। माहेश्वरी ने अपने इस्तीफे में लिखा है कि वह अपने करियर को दूसरी दिशा में ले जाना चाहते हैं। कल्याणी स्टील्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि माहेश्वरी एक अप्रैल, 2024 दिन सोमवार को कारोबारी समय समाप्त होने के बाद कंपनी की सेवा में नहीं रहेंगे। लगभग तीन अरब डालर के कल्याणी समूह की इकाई कल्याणी स्टील्स कार्बन और मिश्र धातु इस्पात की अग्रणी विनिर्माता है।

लेलैंड को बड़ा आर्डर मिला

नई दिल्ली। प्रमुख वाणिज्यिक वाहन कंपनी अशोक लेलैंड को तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम (टीएनएसटीसी) से 552 बस की आपूर्ति का आर्डर मिला है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बयान में कहा कि 'अल्ट्रा लो एंट्री' (यूएलई) बसों को सार्वजनिक परिवहन के उपयोग में लिया जाएगा। अशोक लेलैंड टीएमएसटीसी को लंबे समय से बस की आपूर्ति करती आ रही है। वह निगम को अबतक लगभग 18,477 बस की आपूर्ति कर चुकी है। अशोक लेलैंड के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शेनू अग्रवाल ने कहा, "यह आर्डर बहुत कुशल और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पाद बनाने के हमारे समर्पण को मजबूत करता है।

आजाद के इश्यू को अभिदान

नई दिल्ली। आजाद इंजीनियरिंग के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बृहस्पतिवार को बोली के दूसरे दिन 11.09 गुना अभिदान मिल गया है। एनएसई के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, आईपीओ के तहत 1,01,22,705 शेयरों की पेशकश पर 11,22,11,456 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। गैर-संस्थागत निवेशकों के हिस्से को 23.49 गुना अधिक अभिदान मिला, जबकि खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के हिस्से को 11.15 गुना अधिक अभिदान मिला। पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की श्रेणी को 1.53 गुना अधिक अभिदान प्राप्त हुआ।

रियल एस्टेट सेक्टर में पीई निवेश में आई 44% गिरावट

नई दिल्ली (भाषा)।

वैश्विक निवेशक इस साल भारतीय रियल एस्टेट में पैसा लगाने को लेकर सतर्क रहे हैं। निजी इक्विटी (पीई) निवेश 12 दिसम्बर तक पूरे पिछले साल की तुलना में 44 प्रतिशत घटकर तीन अरब अमेरिकी डालर रह गया। नाइट फ्रैंक ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारतीय रियल एस्टेट बाजार को इस साल एक जनवरी से 12 दिसंबर के बीच 23 सौदों से पीई निवेश में 302.4 करोड़ अमेरिकी डालर मिले, जबकि 2022 में यह राशि 535.7 करोड़ डालर थी।

नाइट फ्रैंक के अनुसार, मंदी का कारण वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और अमेरिकी फेडरल रिजर्व तथा सेंट्रल बैंक आफ कनाडा द्वारा कई बार दरों में बढ़ोतरी के साथ उच्च ब्याज दर हैं, जिससे अमेरिका तथा कनाडा से निवेश गतिविधियों पर अंकुश लगा है। हालांकि, सिंगापुर से पीई निवेश में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो कुल प्रवाह में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। भारतीय रियल एस्टेट बाजार के खंडों के संदर्भ में कार्यालय परिसंपत्तियों ने कुल पीई निवेश में 58 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बढत हासिल की, इसके बाद वेयरहाउसिंग का 23 प्रतिशत और आवासीय संपत्तियां का 19 प्रतिशत योगदान रहा। खुदरा क्षेत्र में 2023 में कोई पीई सौदा नहीं हुआ।

सभी खंडों में मुंबई में सबसे अधिक 168.5 करोड़ अमेरिकी डालर (1.6 अरब) का निवेश हुआ। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को 83.5 करोड़ अमेरिकी डालर और बेंगलुरु को 34.7 करोड़ डालर का निवेश मिला।

सबसे ज्यादा संपत्तियां मुंबई, बेंगलुरु, दिल्ली में तलाशी गईं

नई दिल्ली (भाषा)।

संपत्ति खरीद, बिक्री और किराए के बारे में जानकारी देने वाले पोर्टल मैजिकब्रिक्स ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके मंच पर जिन शहरों में सबसे ज्यादा संपत्तियां तलाशी गईं, उनमें मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु और दिल्ली तथा आसपास के क्षेत्र शामिल हैं।

मैजिकब्रिक्स ने एक बयान में कहा, 'चालू वर्ष में भारत में जिन क्षेत्रों में संपत्तियों की तलाश सबसे ज्यादा की गई, उनमें 20 प्रतिशत के साथ मुंबई महानगर सबसे ऊपर है। उसके बाद क्रमशः बेंगलुरु (19 प्रतिशत) और दिल्ली एनसीआर (19 प्रतिशत) का स्थान है।'

बांड बकाया राशि 2.47 लाख करोड़ डालर पर पहुंची

मुंबई (भाषा)।

घरेलू बाजार में बेचे गए कुल बकाया बांड की राशि बढ़कर सितम्बर तक 2.47 लाख करोड़ डालर हो गई जबकि मार्च अंत में यह 2.34 लाख करोड़ डालर थी। एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है।

सभी तरह के बांड जहां कर्ज होते है वहीं सभी कर्ज बांड नहीं होते है। बैंकों के ऋण और विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष एवं एशियाई विकास बैंक जैसी बहुपक्षीय एजेंसियों से लिए गए ऋण कर्ज है लेकिन वे बांड नहीं होते है। इंडिया बांड्स डॉट कॉम के सह-संस्थापक विशाल गोयनका ने रिजर्व बैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि कुल बकाया बांड में से केंद्र सरकार के बांड (जी-सेक) दूसरी तिमाही में 1.34 लाख करोड़ डालर थे जबकि जनवरी-मार्च तिमाही में यह 1.06 लाख करोड़ डालर से अधिक थे। वहीं, देश का कुल विदेशी ऋण (सरकारी और कारपोरेट बांड के साथ ऋणदाताओं से लिया गया ऋण शामिल) जून, 2023 तक मामूली रूप से बढ़कर 629.1 अरब डालर हो गया था। हालांकि, ऋण और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुपात घटकर 18.6 प्रतिशत हो गया।

आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि मार्च, 2023 में बाहरी ऋण 4.7 अरब डालर बढ़कर 624.3 अरब डालर हो गया था और जीडीपी के प्रतिशत के रूप में यह मार्च के 18.8 प्रतिशत से घटकर जून में 18.6 प्रतिशत हो गया। इंडिया बांड्स डॉट कॉम बाजार नियामक सेबी से पंजीकृत एक आनलाइन बांड मंच है जो निवेश समाधान प्रदान करता है। इसकी रिपोर्ट के मुताबिक, कुल बकाया बांड में 1.34 लाख करोड़ डॉलर के साथ सरकारी प्रतिभूतियों की सबसे अधिक 46.04 प्रतिशत हिस्सेदारी रही जबकि राज्यों के बांड की हिस्सेदारी 604 अरब डालर के साथ 24.4 प्रतिशत रही।

'फ्रेट रेल सिस्टम' के डिप्टी एमडी एवं सीईओ बने अग्रवाल

नई दिल्ली (भाषा)।

टीटागढ़ रेल सिस्टम लिमिटेड के निदेशक मंडल ने कंपनी में फ्रेट रेल सिस्टम के उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में अनिल कुमार अग्रवाल की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। टीटागढ़ रेल सिस्टम लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी अग्रवाल को नई जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय बुधवार को किया गया।

कंपनी ने कहा, 'निदेशक मंडल ने निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ अनिल कुमार अग्रवाल को 'फ्रेट रेल सिस्टम' के उप प्रबंध निदेशक (डीएमडी) एवं सीईओ और नामित डीएमडी एवं सीईओ (फ्रेट रेल सिस्टम) के रूप में सेवा देने की जिम्मेदारी देने को मंजूरी दे दी है।'

श्री अग्रवाल कंपनी के माल ढुलाई रेल प्रणाली के पूरे 'बिजनेस वर्टिकल' की जिम्मेदारी संभालेंगे। बोर्ड ने संयुक्त सीएफओ सौरव सिंघानिया को कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी के रूप में पदोन्नत करने का भी निर्णय किया। सिंघानिया कंपनी के 'चीफ रिस्क ऑफिसर' भी होंगे।

सरकार ने खुले बाजार में बेचा 3 .46 लाख टन गेहूं

■ कीमतों पर कंट्रोल के लिए 13164 टन चावल भी बेचा

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार ने घरेलू आपूर्ति को बढ़ाने और खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के अपने प्रयासों के तहत थोक उपभोक्ताओं को ई-नीलामी के माध्यम से 3.46 लाख टन गेहूं और 13,164 टन चावल बेचा है।

सरकार खुला बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत खुदरा कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए अपने बफर स्टाक से गेहूं और चावल बेच रही है। खाद्यान्न खरीद और वितरण के लिए सरकार की नोडल एजेंसी भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ई-नीलामी कर रही है। केंद्र ने मार्च, 2024 तक ओएमएसएस के लिए 101.5 लाख टन गेहूं आवंटित किया है। एक सरकारी बयान में कहा गया है, '26वीं ई-नीलामी 20 दिसंबर को आयोजित की गई थी, जिसमें चार लाख टन गेहूं और 1.93 लाख टन चावल की पेशकश की गई थी। ई-नीलामी में, 3.46 लाख टन गेहूं और 13,164 टन चावल - क्रमशः 2,178.24 रुपये प्रति क्विंटल और 2905.40 रुपये प्रति क्विंटल के भारित औसत पर बेचा गया था।'

चावल, गेहूं और आटे की खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार गेहूं और चावल दोनों की साप्ताहिक ई-नीलामी आयोजित कर रही है। एक बोलीदाता द्वारा बोली लगाने वाले चावल की न्यूनतम और अधिकतम मात्रा क्रमशः एक टन और 2,000 टन तय की गई है। बोलीदाता ओएमएसएस (घरेलू) के तहत चावल के संबंध में एक टन के गुणकों में बोली लगा सकते है।

यह उपाय ओएमएसएस (घरेलू) के तहत चावल की बिक्री बढ़ाने के लिए किया गया है और वर्तमान ई-नीलामी में चावल की बिक्री पिछली ई-नीलामी में बेचे गए 3,300 टन से बढ़कर 13,164 टन हो गई है।

सेंसेक्स में दर्ज हुई 359 अंकों की बढ़त

मुंबई (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स में 359 अंक का उछाल आया। सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में लिवाली से बाजार लाभ में रहा। भारी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 358.79 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 70,865.10 अंक पर बंद हुआ।

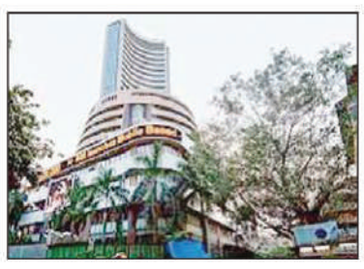

सेंसेक्स नुकसान में खुला और कारोबार के दौरान यह एक समय 585.92 अंक तक लुढ़क गया था। लेकिन दोपहर के कारोबार में इसमें तेजी आई और एक समय यह 452.4 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 104.90 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 21,255.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 21,288.35 और नीचे में 20,96.80 अंक रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील और भारती एयरटेल प्रमुख रूप से लाभ में रहीं।

दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक और महिंद्रा एंड महिंद्रा शामिल है। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की नुकसान में जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार बुधवार को नुकसान में रहे थे।

वैश्विक स्तर पर तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79.96 डालर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,322.08 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। बीएसई सेंसेक्स ने बुधवार को 930.88 अंक का गोता लगाया था और निफ्टी 302.95 अंक नुकसान में रहा था।

रुपया नौ पैसे की गिरावट के साथ 83.27 प्रति डालर पर

मुंबई (भाषा)।

लाल सागर मार्ग के जरिए वैश्विक व्यापार में व्यवधान के बीच विदेशी कोषों की निकासी से बृहस्पतिवार को रुपया नौ पैसे की गिरावट के साथ 83.27 (अस्थायी) प्रति डालर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू बाजारों के सकारात्मक रुख और प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डालर के कमजोर होने के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर रुपये पर पड़ा।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.19 प्रति डालर पर खुला और बाद में गिरकर 83.24 प्रति डालर पर पहुंच गया। रुपया दिन में 83.18 से 83.28 प्रति डालर के बीच कारोबार करने के बाद 83.27 (अस्थायी) प्रति डालर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट है।

पाकेट एफएम ने लेखकों के लिए बनाया 250 करोड़ रुपये का कोष

नई दिल्ली (भाषा)। 'ऑडियो' मनोरंजन ऐप पाकेट एफएम ने अपने मंच पर योगदान देने वाले लेखकों को भुगतान के लिए 250 करोड़ रुपये का कोष बनाया है। कंपनी ने कहा कि उसके मंच पर शीर्ष 10 लेखक चालू वर्ष के दौरान दो करोड़ रुपये से अधिक कमाने में सफल रहे हैं। पाकेट एफएम के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रोहन नायक ने कहा कि आडियो श्रृंखला लेखकों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही है। यह उन्हें दुनियाभर में लाखों लोगों के साथ अपनी कहानियां साझा करने में सक्षम बनाती है।

उन्होंने कहा, ''मौजूदा लेखकों की सफलता की कहानियों से प्रेरित होकर, हर दिन हजारों लेखक हमारे समुदाय में शामिल हो रहे हैं।' नायक ने बयान में कहा, 'अपने लेखकों को समर्थन और पुरस्कृत करने के लिए, हमने लेखक समुदाय के लिए 250 करोड़ रुपये का 'लेखक कोष' अलग रखा है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि वे अपने काम के लिए वित्तीय रूप से प्रोत्साहित हों।' पॉकेट एफएम ने कहा कि औसतन छह अरब मिनट से अधिक मासिक 'स्ट्रीमिंग' के साथ उसकी 'स्ट्रीमिंग' 75 अरब मिनट को पार कर गयी है। वहीं सुनने वाले लोगों की संख्या 13 करोड़ पहुंच गयी है।

कृषि निर्यात 53 अरब डालर पर पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली (भाषा)। कुछ प्रमुख कृषि उत्पादों के निर्यात पर रोक लगाए जाने के बावजूद चालू वित्त वर्ष में भारत का कृषि निर्यात पिछले साल के स्तर 53 अरब डालर तक पहुंच सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह संभावना जताई। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में देश का कृषि उत्पादों का निर्यात 53 अरब डालर रहा था। वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'कुछ जिंसों के निर्यात पर पाबंदियां लगाए जाने से 4.5 से पांच अरब डालर का असर पड़ सकता है। इसके बावजूद हम उम्मीद करते है कि हम पिछले स्तर तक पहुंच जाएंगे।'

सरकार ने पिछले कुछ महीनों में घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए गेहूं और गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर रोक लगाई है। इसके अलावा चीनी निर्यात पर भी कुछ बंदिशें लगाई गई है। उन्होंने कहा कि सरकार केले जैसे नए उत्पादों और मोटे अनाज से बने मूल्यवर्द्धित उत्पादों को नए वैश्विक गंतव्यों तक पहुंचाने के लिए निर्यात प्रोत्साहन दे रही है। अग्रवाल ने कहा, 'अगले तीन साल में हम केला निर्यात एक अरब डालर तक पहुंचने की उम्मीद कर रहे है।'

आवास क्षेत्र का एनपीए परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी को ट्रांसफर करेगा बंधन

कोलकाता (भाषा)।

बंधन बैंक आवास क्षेत्र के एनपीए को एक परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी को हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इसके तहत उन एनपीए बन चुके उन आवासीय कर्ज को हस्तांतरित किया जाएगा जिनपर बकाया की अवधि 180 दिन से अधिक हो गई है।

कंपनी को हस्तांतरित की जाने वाली बकाया राशि 30 सितम्बर, 2023 तक 775.62 करोड़ रुपये थी। बैंक को एकमुश्त नकद प्रतिफल के आधार पर एनपीए खंड के लिए 280.39 करोड़ रुपये की बाध्यकारी बोली मिली है।

कृषि श्रमिकों की महंगाई दर 7.37% हुई

नई दिल्ली (भाषा)।

चावल, गेहूं का आटा, दाल जैसे खाने का समान महंगा होने से कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति नवम्बर में बढ़कर 7.37 प्रतिशत हो गई। वहीं ग्रामीण श्रमिकों के लिए यह 7.13 प्रतिशत रही। अक्टूबर में कृषि श्रमिकों की खुदरा मुद्रास्फीति 7.08 प्रतिशत और ग्रामीण श्रमिकों की खुदरा मुद्रास्फीति 6.92 प्रतिशत थी।

श्रम मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी बयान के अनुसार, कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खाद्य मुद्रास्फीति नवंबर में क्रमशः 9.38 प्रतिशत और 9.14 प्रतिशत रही, जबकि अक्टूबर, 2023 में यह क्रमशः 8.42 प्रतिशत तथा 8.18 प्रतिशत थी। कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खाद्य मुद्रास्फीति नवंबर, 2022 में क्रमशः 6.19 प्रतिशत और 6.05 प्रतिशत दर्ज की गई थी। बयान के अनुसार, सीपीआई-एएल (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-कृषि श्रमिक) और सीपीआई-आरएल (ग्रामीण श्रमिक) पर आधारित मुद्रास्फीति की दर इस साल नवंबर में क्रमशः 7.37 प्रतिशत और 7.13 प्रतिशत रही। अक्टूबर, 2023 में यह क्रमशः 7.08 प्रतिशत और 6.92 प्रतिशत थी।

■ अक्टूबर में 7.13 फीसद थी कृषि श्रमिकों की खुदरा मुद्रास्फीति की दर

इस साल नवम्बर में कृषि श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 12 अंक बढ़कर 1,253 अंक हो गया, जबकि ग्रामीण श्रमिकों के लिए यह 11 अंक बढ़कर 1,262 अंक रहा। इस साल अक्टूबर में दोनों सूचकांक क्रमशः 1,241 अंक और 1,251 अंक थे। कृषि श्रमिकों और ग्रामीण श्रमिकों के सामान्य सूचकांक में वृद्धि में प्रमुख योगदान क्रमशः 10.85 और 10.50 अंक की सीमा तक खाद्य पदार्थों का रहा। चावल, गेहूं आटा, दालें, प्याज, हल्दी, लहसुन, मिश्रित मसाले आदि की कीमतों में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही।

प. बंगाल में ई-वे बिल के लिए एक लाख रुपये की सीमा दोबारा लागू

कोलकाता (भाषा)।

पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के भीतर माल आवाजाही के लिए ई-वे बिल की सीमा को एक लाख रुपये से घटाकर 50,000 रुपये करने के आदेश को स्थगित करते हुए पुरानी व्यवस्था बहाल कर दी है। एक शीर्ष अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पश्चिम बंगाल के जीएसटी आयुक्त खालिद अनवर ने कहा कि ई-वे बिल से संबंधित कुछ मसलों पर हितधारकों का पक्ष सुनने के बाद सरकार ने 'सार्वजनिक हित में' यह कदम उठाया है। अनवर ने कहा कि नवम्बर के मध्य में ई-वे बिल की सीमा घटाने वाली अधिसूचना को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है। इस तरह राज्य के भीतर माल आवाजाही की सीमा पहले की तरह एक लाख रुपये बनी हुई है। उन्होंने कहा, 'पहले जारी अधिसूचना को स्थगित रखने के साथ पश्चिम बंगाल के भीतर माल ले जाने के लिए किसी भी ई-वे बिल की जरूरत नहीं होगी।'

राज्य के भीतर आवाजाही के लिए ई-वे बिल सीमा को एक लाख रुपये से घटाकर 50,000 रुपये करने के पीछे राज्य सरकार का मकसद इसे राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ढालने के साथ जीएसटी में चोरी को भी रोकना था। पश्चिम बंगाल वितरक महासंघ के प्रमुख सुशील पोद्दार ने इस संदर्भ में कहा था कि ई-वे बिल की सीमा को 50,000 रुपये करने से छोटे और सीमांत कारोबारियों पर गैरजरूरी बोझ पड़ेगा।

क्रिकेट वर्ल्ड कप और जी-20 जैसे आयोजनों से पटरी पर लौटा हास्पिटैलिटी सेक्टर

नई दिल्ली (भाषा)।

वैश्विक महामारी का संकट खत्म होने के बाद घरेलू यात्राओं के एक बार फिर सामान्य होने भारत की जी20 अध्यक्षता और पुरुष क्रिकेट विश्व कप जैसे वैश्विक आयोजनों से 2023 में आतिथ्य क्षेत्र के प्रगति करने के बाद 2024 में भी इस क्षेत्र के बेहतरीन प्रदर्शन करने की उम्मीद है।

आतिथ्य क्षेत्र में नए साल में हालांकि दीर्घकालिक कोष पहुंच, उच्च जीएसटी दरें, प्रतिभा अधिग्रहण तथा जटिल व्यावसायिक प्रक्रिया जैसे मुद्दे चिंता का विषय बन सकते हैं।

होटल एसोसिएशन आफ़ इंडिया (एचएआई) के अध्यक्ष पुनीत छतवाल ने कहा, '2023 में सूचीबद्ध होटल कंपनियों ने घरेलू मांग, विदेशी पर्यटकों के आगमन में सुधार, बड़े वैश्विक आयोजनों जैसे भारत की जी20 अध्यक्षता और क्रिकेट विश्व कप खेल आयोजन आदि के दम पर दोहरे अंकों में राजस्व वृद्धि दर्ज की।' छतवाल इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) भी हैं। उन्होंने कहा कि विश्लेषकों के अनुमान के अनुसार इस क्षेत्र के चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी छमाही में 15-20 प्रतिशत बढने की उम्मीद है।

'फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन आफ इंडिया' (एफएचआरएआई) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप शेट्टी ने कहा कि पिछले वर्ष ने अभूतपूर्व चुनौतियों से निपटने में इस क्षेत्र के लचीलेपन को प्रदर्शित किया, खासकर यात्रा व्यापार के पुनरुद्धार को लेकर जी20 के आयोजनों ने भारतीय पर्यटन क्षेत्र को बढाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जो 2023 के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक है। फॉर्च्यून होटल्स के प्रबंध निदेशक समीर एमसी ने कहा, 'हम छोटे कस्बों और शहरों में बड़े पैमाने पर संभावनाएं देखते हैं जो रोमांचक अवसर पेश करते हैं।'

वार्षिकी : 2023
पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र

समीर ने कहा, 'हमने 2023 में पर्यटन क्षेत्र में एक उल्लेखनीय पुनरुत्थान देखा है, जो घरेलू यात्रा तथा अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों की क्रमिक वापसी के दम पर संभव हो पाया। वैश्विक महामारी के बाद उद्योग को भविष्य में पेश होने वाली हर चुनौती के लिए तैयार कर दिया गया है। यह सकारात्मक गति हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।'

महिंद्रा हॉलिडेज एंड रिसॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कविंदर सिंह ने कहा कि आरामदायक यात्रा, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, सप्ताहांत अवकाश तथा परिवार के साथ अच्छा समय बिताने की इच्छा से लोगों के यात्रा करने की संख्या बढ़ी है। सिंह ने कहा, 'हमारे रणनीतिक उद्देश्य के अनुरूप हमारा लक्ष्य वित्त वर्ष 2030 तक कमरों की संख्या को करीब 5,000 से दोगुना करके 10,000 करना है।' इसी तरह इरोज़ होटल (नई दिल्ली) के महाप्रबंधक देविंदर जुज ने कहा कि कंपनी 2023 की सफलता के आधार पर 2024 में विकास की संभावनाओं को लेकर आशावादी है।

पिछले साल तक 'माली' थे स्पेंसर, 10 करोड़ में बिके, नीलामी की राशि से मां खुश

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के स्पेंसर जॉनसन पिछले साल तक 'लैंडस्केप' माली का काम कर रहे थे लेकिन दुबई में इंडियन प्रीमियर लीग नीलामी में गुजरात टाइटन्स द्वारा 10 करोड़ रुपए की बड़ी राशि में खरीदे जाने के बाद उनकी मां के चेहरे पर मुस्कान आ गई है।

ऐसा भी समय था जब लग रहा था कि जॉनसन का क्रिकेट कॅरियर खत्म हो जाएगा। जॉनसन ने यहां पत्रकारों से कहा, 'आठ महीने पहले मेरे पास राज्य क्रिकेट का कोई करार या बिग बैश का अनुबंध भी नहीं था। मैं 'लैंडस्केप' पर पौधे लगाने का काम कर रहा था। इसलिए 8 महीने बाद निश्चित रूप से हालात बदल गए हैं।'

'द हंड्रेड' में खींचा ध्यान

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आशीष नेहरा की कोचिंग वाली आईपीएल फ्रेंचाइजी ने ही उन्हें खरीदा जिससे वह गुजरात टाइटन्स के राशिद खान के बाद दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। 'द हंड्रेड' में खेलने के बाद जॉनसन पर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान गया और उन्हें आस्ट्रेलिया के लिए खेलने के लिए चुना गया। उन्होंने इंदौर में अगस्त में भारत के खिलाफ अपना एकमात्र वनडे खेला जिसमें उन्होंने आठ ओवर में 61 रन दिए लेकिन विकेट नहीं ले सके। उन्होंने अपने दोनों टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले।

आईपीएल आठ महीने पहले नहीं था राज्य क्रिकेट का कोई करार

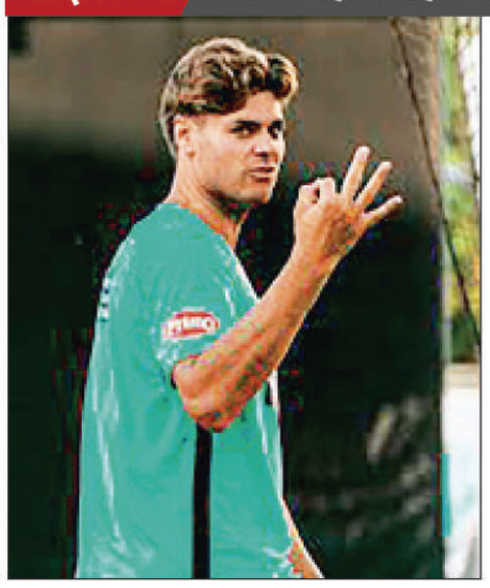

150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार

दक्षिण आस्ट्रेलिया के लिए 2017 में पेशेवर पदार्पण के दौरान उनके पैर में स्ट्रेस फ्रेक्चर हो गया था जिसके कारण वह तीन साल तक क्रिकेट से बाहर रहे और फिर अनुबंध भी उनके हाथों से चला गया। सर्जरी और 'रिहैबिलिटेशन' के बाद 2022 में इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने दक्षिण आस्ट्रेलिया से फिर अनुबंध किया और इस साल जनवरी में ब्रिसबेन हीट के लिए बिग बैश लीग में पदार्पण किया। पिछले बिग बैश लीग सत्र में इस 28 साल के तेज गेंदबाज ने 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी को आकर्षित किया।

मां के चेहरे पर मुस्कान

जॉनसन ने कहा कि आईपीएल का लुभावना अनुबंध मिलना विशेष पल है लेकिन इससे ज्यादा संतोषजनक उनकी मां के चेहरे पर मुस्कान देखना था। बिग बैश लीग मैच से पहले जॉनसन ने कहा, 'एडीलेड में अपनी मां के चेहरे पर 'फेसटाइम' पर मुस्कान देखना अच्छा था। यह मेरे लिए ही खुशी का पल नहीं है बल्कि मेरे पूरे परिवार के लिए खुशी का पल है। यह काफी विशेष है।'

हमने सही खिलाड़ी को चुना : प्रीति शशांक पर पंजाब का स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स ने बुधवार को स्पष्टीकरण जारी किया कि दुबई में आईपीएल नीलामी के दौरान उन्होंने सही क्रिकेटर को अपने साथ जोड़ा है जबकि इस तरह की खबरें थी कि नाम में भ्रम के कारण उन्होंने 'गलत' खिलाड़ी के लिए बोली लगा दी। मंगलवार को शशांक सिंह को नीलामी के अंतिम लम्हों में खरीदा गया जब विभिन्न फ्रेंचाइजी अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों को 20 लाख रुपए के उनके आधार मूल्य पर खरीदने का प्रयास कर रहीं थी। नीलामी की संचालनकर्ता ने जब शशांक के नाम की घोषणा की तो पंजाब किंग्स की सह मालिक प्रीति जिंटा ने तुरंत ही बोली लगा दी और यह क्रिकेटर बिक गया। खबरों के अनुसार फ्रेंचाइजी ने बाद में 'महसूस' किया कि उन्होंने गलती कर दी है और उन्होंने बोली वापस लेने के लिए नीलामी संचालनकर्ता से संपर्क किया। अपने स्पष्टीकरण में पंजाब किंग्स ने कहा, 'मीडिया ने शशांक सिंह के बारे में लिखा है कि पंजाब किंग्स ने उन्हें गलती से खरीद लिया। पंजाब किंग्स स्पष्ट करना चाहते हैं यह खिलाड़ी हमेशा उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल था जिन पर हमें बोली लगानी थी।'

छत्तीसगढ़ निवासी हैं शशांक सिंह

पंजाब किंग्स के एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि सही खिलाड़ी चुना गया है और फ्रेंचाइजी की पिछले कुछ समय से उन पर नजरें थी। अधिकारी ने कहा, 'हमने सही खिलाड़ी को चुना है। पिछले कुछ समय से हम उस पर नजर रखे हुए थे। वह छत्तीसगढ़ का 32 साल का खिलाड़ी है जो 2022 सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था।' उन्होंने कहा, 'खबरों में इसी नाम के 19 साल के क्रिकेटर के साथ भ्रम हो रहा है।'

खबर संक्षेप

प्रणवी ने हासिल किया पूर्ण एलईटी कार्ड

मराकेश। भारतीय महिला गोल्फर प्रणवी उर्स ने क्वालीफाइंग स्कूल गोल्फ टूर्नामेंट के अंतिम चरण में संयुक्त 31वें स्थान पर रहकर 2024 के लिए लेडीज यूरोपीय टूर का पूर्ण कार्ड हासिल किया। प्रणवी ने फ्रंट नाइन पर शानदार प्रदर्शन किया और बैक नाइन पर कुछ परेशानियों से जूझते हुए वह अंतिम दौर में तीन अंडर 70 का कार्ड खेलने में सफल रहीं जिससे उनका कुल स्कोर 12 अंडर 351 रहा। प्रणवी इस तरह एलईटी टूर पर हमवतन गोल्फर दीक्षा डागर और अदिति अशोक के साथ शामिल हो गईं जो टूर की पहले ही पूर्ण सदस्य हैं।

स्टोक्स, आर्चर के लिए टीम में रहेगी जगह

तारोबा। इंग्लैंड के कोच मैथ्यू मोट ने कहा कि स्टार आल राउंडर बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की मैच जिताने की काबिलियत को देखते हुए उनका 2024 टी20 विश्व कप के लिए टीम में होना निहायत जरूरी है। इसलिए चोट से जूझ रहे इन दोनों खिलाड़ियों के लिए टीम में जगह बनी रहेगी। स्टोक्स के घुटने का नवंबर में ऑपरेशन हुआ था और उनके अगले साल जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की कप्तानी के लिए फिट होने की उम्मीद है। वहीं आर्चर कोहनी की चोट के कारण मार्च से इंग्लैंड के लिए नहीं खेले हैं।

भारतीय हॉकी टीम ने आयरलैंड को हराया

वालेंशिया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने पांच देशों के टूर्नामेंट में गुरुवार को आयरलैंड को 2-1 से हराया। भारत के लिए दीपिका ने चौथे और संगीता कुमारी ने 22वें मिनट में गोल किए जबकि आयरलैंड के लिए कप्तान कैथरीन मुल्लान ने 12वें मिनट में गोल दागा। भारत ने आक्रामक शुरुआत करते हुए चौथे ही मिनट में दीपिका के गोल पर बढ़त बना ली। आयरलैंड ने हालांकि आठ मिनट बाद बराबरी की। दूसरे क्वार्टर में आयरलैंड को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। वहीं भारत को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर संगीता ने गोल दाग दिया। आखिरी दोनों क्वार्टर में गोल नहीं हो सका।

चोटिल शहजाद टेस्ट श्रृंखला से बाहर

कराची। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार से मेलबर्न में होने वाले दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच से पहले तब करारा झटका लगा जब उसके तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद पसली में फ्रैक्चर और पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गए। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पुष्टि की खुर्रम शहजाद की बायीं पसली में फ्रैक्चर है तथा विशेषज्ञों से सलाह मशविरा करने के बाद यह फैसला किया गया कि वह मेलबर्न में 26 दिसंबर से और सिडनी में 3 जनवरी से शुरू होने वाले दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच में खेलने के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।

क्रिकेट : सैमसन का पहला शतक, अर्शदीप ने झटके चार विकेट

भारत ने द.अफ्रीका में दूसरी बार जीती सीरीज, मेजबान को 78 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| पर्ल

संजू सैमसन के पहले एक दिवसीय शतक और अर्शदीप सिंह के चार विकेट की मदद से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को निर्णायक तीसरे मैच में 78 रन से हराकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजी गई भारतीय टीम ने आठ विकेट पर 296 रन बनाए। सैमसन ने 108 रन की पारी खेली जबकि तिलक वर्मा ने 52 रन बनाए जो उनका पहला वनडे अर्धशतक है। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 116 रन जोड़े। टीम इंडिया ने अफ्रीकी सरजमीं पर दूसरी बार वनडे सीरीज जीती है। टीम ने 2018 में विराट कोहली की कप्तानी में पहली बार वनडे सीरीज जीती थी। जवाब में मेजबान टीम 45.5 ओवर में 218 रन पर आउट हो गई। तेज गेंदबाज अर्शदीप ने नौ ओवर में 30 रन देकर चार विकेट लिए जबकि आवेश खान और वॉशिंगटन सुंदर को दो-दो विकेट मिले। भारत ने 2018 के बाद दूसरी बार यहां वनडे श्रृंखला जीती है। दक्षिण अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज टोनी डि जोर्जी को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं सका। जोर्जी ने 87 गेंद में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। उन्हें अर्शदीप ने पगबाधा आउट किया।

पाटीदार को डेब्यू कैप

मप्र के रजत पाटीदार ने इस मैच में डेब्यू किया। उन्हें डेब्यू कैप दी गई। बीसीसीआई ने बताया कि ऋतुराज गायकवाड़ की उंगली की चोट पूरी तरह ठीक नहीं हुई है। उन्हें मेडिकल टीम के ऑब्जर्वेशन पर रखा गया है। गायकवाड़ की उंगली में दूसरे वनडे के दौरान चोट लगी थी।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
रजत पाटीदार बो बरगर	22	16	3	1
सुदर्शन पगबाधा बो हेंड्रिक्स	10	16	1	0
संजू का हेंड्रिक्स बो विलियम्स	108	114	6	3
राहुल का क्लासेन बो मूल्डर	21	35	2	0
तिलक का मूल्डर बो महाराज	52	77	5	1
रिंकू का हेंड्रिक्स बो बरगर	38	27	3	2
अक्षर का मूल्डर बो हेंड्रिक्स	01	03	0	0
सुंदर का मार्करम बो हेंड्रिक्स	14	09	2	0
अर्शदीप सिंह नाबाद	07	02	0	1
आवेश खान नाबाद	01	02	0	0
अतिरिक्त : 22, कुल : 50 ओवर में 296/8				
गेंदबाजी : बरगर 9-0-64-2, विलियम्स 10-0-71-1, बो हेंड्रिक्स 9-0-63-3, मूल्डर 7-0-36-1, महाराज 10-2-37-1, मार्करम 5-0-19-0.				
दक्षिण अफ्रीका	रन	गेंद	4	6
टीजा का राहुल बो अर्शदीप	19	24	3	0
जोर्जी पगबाधा बो अर्शदीप	81	87	6	3
रासी वान डेर दुसेन बो पटेल	02	17	0	0
मार्करम का राहुल बो सुंदर	36	41	2	1
क्लासेन का सुदर्शन बो आवेश	21	22	3	0
मिलर का राहुल बो सुवेश	10	20	0	0
वियान मूल्डर का राहुल बो सुंदर	01	03	0	0
महाराज का सिंह बो अर्शदीप	14	27	0	0
बूरान का सैमसन बो आवेश	18	26	2	0
विलियम्स पगबाधा बो अर्शदीप	02	03	0	0
नांद्रे बरगर नाबाद	01	07	0	0
अतिरिक्त : 13, कुल : 45.5 ओवर में 218/10				
गेंदबाजी : सुवेश 9-0-56-1, अर्शदीप 9-1-30-4, आवेश 7.5-0-45-2, सुंदर 10-0-38-2, पटेल 10-0-48-1.				

पूजा ने चौंकाया, स्नेह को तीन विकेट ऑस्ट्रेलिया 219 रन पर

एजेंसी ▶▶| ग्रेटर नोएडा

गत विश्व चैंपियन मुक्केबाज स्वीटी बूरा गुरुवार से यहां शुरू हो रही महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में आकर्षण का केंद्र होंगी जहां वह 81 किग्रा वर्ग में अपने खिताब की रक्षा करने के इरादे से उतरेंगी। प्रतियोगिता में 300 से अधिक मुक्केबाज 12 वजन वर्ग में खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे।

विश्व चैंपियनशिप 2014 में लाइट हैवीवेट वर्ग की रजत पदक विजेता हरियाणा की स्वीटी ने एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण (2022), रजत (2015) और कांस्य (2021) पदक भी जीते हैं। एलीट महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के सातवें सत्र में तोक्यो ओलंपियन पूजा रानी 75 किग्रा वर्ग जबकि हरियाणा की 2022 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मनीषा मौन 60 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करेंगी।

मनीषा को सेना खेल नियंत्रण बोर्ड की राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मिन से कड़ी टक्कर मिलेगी।दो युवा विश्व चैंपियन एसएससीबी की अरुणधति और असम की अंकुशिता बोरो 66 किग्रा वर्ग में खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी। पिछले सत्र में रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड ने 10 पदक जीते थे और इस बार भी वह इस सफलता को दोहराना चाहेगा।

अफ्रीका टी20 लीग में शास्त्री करेंगे कमेंट्री

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच और मशहूर कमेंटेटर रवि शास्त्री को 10 जनवरी से शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग के लिए कमेंट्री पैनल में शामिल किया गया है। आयोजकों की विज्ञप्ति के अनुसार शास्त्री के अलावा इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड, केविन पीटरसन और मार्क बूचर, दक्षिण अफ्रीका के एबी डी विलियर्स, शॉन पोलाक और क्रिस मॉरिस भी कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं। एसए20 लीग के आयुक्त ग्रीम स्मिथ ने कहा, 'हम एसए20 के दूसरे सत्र के लिए मौजूद कमेंटेटरों और प्रस्तोताओं की क्षमता से रोमांचित है।'

जिम्बाब्वे के क्रिकेटर वेस्ले और मावता बैन

हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने आल राउंडर वेस्ले माधेवेरे और ब्रैंडन मावुता को गुरुवार को डोपिंग रोधी नियमों के कथित उल्लघंन के लिए निलंबित कर दिया। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा कि माधेवेरे और मावुता को टूर्नामेंट के इतर की गयी जांच में प्रतिबंधित पदार्थ का पॉजिटिव पाया गया। हालांकि इस जांच की तारीख नहीं दी गयी है। संचालन संस्था ने कहा कि खिलाड़ियों के खिलाफ आरोप तय किये गए हैं और वे जल्द ही अनुशासनात्मक सुनवाई के लिए प्रस्तुत होंगे। माधेवेरे और मावुता हाल में आयरलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में खेले थे।

वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम में सात नए चेहरे

सेंट जोन्स। वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में सात नए चेहरे शामिल किए हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बुधवार को कहा कि टीम का नेतृत्व क्रैग ब्रैथवेट करेंगे, जबकि तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को नया उप कप्तान नियुक्त किया गया है। जिन सात नए खिलाड़ियों को टीम में लिया गया है, उनमें बल्लेबाज जाचरी मैक्कासी, विकेटकीपर टेविन इमलाच, ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स, केवम हॉज और केविन सिंक्लेयर तथा तेज गेंदबाज अकीम जॉर्डन और शमर जोसेफ शामिल हैं।

लक्ष्य, आकर्षी ने तीसरे दौर में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और शीर्ष वरीय लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां 85वीं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष वर्ग के तीसरे दौर में जगह बनाई। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त आकर्षी कश्यप भी दूसरे दौर की चुनौती पार करने में सफल रहीं। सेन ने टी सिद्धार्थ को 25 मिनट में आसानी से 21-8, 21-5 से पराजित किया।

आकर्षी को हालांकि रितुपर्णा दास से चुनौती मिली लेकिन वह 32 मिनट में 21-18, 21-11 की जीत से तीसरे दौर में पहुंची। बीडब्लूएफ 2023 विश्व जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आयुष शेट्टी को नीर नेहवाल से मुश्किल का सामना करना पड़ा लेकिन वह 23-25, 21-18, 21-12 से जीत हासिल करने में सफल रहे। दूसरी वरीयता प्राप्त अश्मिता चालिहा ने सुजेन बुरहागोहेन को 21-13, 21-10 से शिकस्त। अबुधाबी मास्टर्स 2023 चैम्पियन उन्नति हुड्डा ने झारखंड की मनीषा रानी टिर्की को 21-11, 21-17 से पराजित किया।

आस्ट्रेलियन की परेशानी बढ़ाने की रणनीति थी

मुंबई। आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में पहली पारी में चार विकेट लेने वाली भारतीय तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय महिला टीम की रणनीति सीम लेकर भीतर की ओर आती गेंदों पर आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की कमजोरी का फायदा उठाने की थी। वस्त्राकर ने 53 रन देकर चार विकेट लिये जिसकी मदद से भारत ने पहली पारी में आस्ट्रेलिया को 219 रन पर आउट कर दिया। वस्त्राकर ने पहले दिन के खेल के बाद कहा, 'मेरे पास आउटस्विंग है लेकिन मैंने आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बल्लेबाजों के वीडियो देखे हैं जिन्हें इनस्विंगर खेलने में दिक्कत आती है। हमने अभ्यास के दौरान इस पर मेहनत की।

फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में पीएसजी ने मेट्ज को 3-1 से हराया

एमबाप्पे ने 25वें जन्मदिन पर दागे दो गोल

एजेंसी ▶▶| पेरिस

काइलियन एमबाप्पे के लिए उनका 25वां जन्मदिन यादगार बन गया। फ्रांस के इस स्टार फुटबॉलर ने पेरिस सेंट जर्मेन की तरफ से फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में दो गोल करके अपनी टीम को मेट्ज पर 3-1 से जीत दिलाई। यही नहीं उनके छोटे भाई 16 वर्षीय एथन एमबाप्पे ने इस मैच से लीग वन में पदार्पण किया। वह बुधवार को खेले गए मैच में इंजरी टाइम में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे, जो काइलियन एमबाप्पे के लिए जन्मदिन पर बोनस जैसा था।

छोटे भाई एथन एमबाप्पे ने किया पदार्पण

लीग में दागा 18वां गोल

काइलियन एमबाप्पे के लीग में अब 18 गोल हो गए हैं और वह गोल करने वाले खिलाड़ियों में शीर्ष पर काबिज हैं। उन्होंने इस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में कुल मिलाकर 21 गोल किए हैं। मोनाको से 2017 में पीएसजी से जुड़ने के बाद वह इस क्लब की तरफ से 282 मैच में 233 गोल कर चुके हैं। काइलियन एमबाप्पे का इस सत्र के बाद पीएसजी के साथ अनुबंध समाप्त हो जाएगा और उन्होंने अभी तक ऐसे कोई संकेत नहीं दिए हैं कि वह अनुबंध आगे बढ़ाएंगे या किसी अन्य क्लब से जुड़ेंगे।

बार्सिलोना ने फिर से पकड़ी जीत की राह

मैड्रिड। बार्सिलोना की टीम अपनी ख्याति के अनुरुप प्रदर्शन करने में नाकाम रही लेकिन इसके बावजूद उसने अंतिम स्थान की टीम अल्मेरिया को 3-2 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में फिर से जीत की राह पकड़ी। बार्सिलोना इससे पहले पिछले तीन मैच में जीत दर्ज नहीं कर पाया था और वह जीत की राह पर लौटने के लिए बेताब था। इस जीत से बार्सिलोना के 18 मैच में 38 अंक हो गए हैं। वह गिरोना (44) और रीयाल मैड्रिड (42) के बाद तीसरे स्थान पर है। उसने हालांकि इन दोनों टीम से एक मैच अधिक खेला है। अन्य मैचों में पांचवें स्थान पर काबिज एथलेटिक बिलबाओ ने अपने घरेलू मैदान पर नौवें स्थान की टीम लास पालमास को 1-0 से जबकि विलारीयाल ने सेल्टा विगो को 3-2 से हराया।

रोचक / शिखर चंद जैन

क्रिसमस पर अपने घरों में क्रिसमस-ट्री सजाने की परंपरा है। सिर्फ घरों में ही नहीं, बाहर भी बहुत ही भव्य रूप से क्रिसमस-ट्री सजाए जाते हैं, जो सबके आकर्षण का केंद्र होते हैं। यहां हम दुनिया के कुछ देशों में सजाए जाने वाले उन क्रिसमस-ट्री के बारे में बता रहे हैं, जो बहुत ही अजब-अनूठे हैं।

अजब-अनूठे क्रिसमस ट्री

लीगो ब्रिक्स क्रिसमस ट्री, ऑस्ट्रेलिया

बच्चों, लीगो के ब्लॉक यानी टुकड़ों को जोड़कर घर, ब्रिज, गाड़ियां या अन्य कई आकृतियां बनाई जाती हैं। तुमने भी कभी ना कभी लीगो के ब्लॉक जोड़कर तरह-तरह की आकृतियां बनाई होंगी। बच्चों, लीगो कंपनी भी हर साल इन्हीं ब्लॉक्स को जोड़कर विशाल आकार का एक क्रिसमस-ट्री बनाती है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में कंपनी लगभग 13,000 लीगो ब्लॉक्स को जोड़कर 32 फीट ऊंचा क्रिसमस-ट्री बनाती है। इस ट्री को 35,000 रंग-बिरंगी एलईडी लाइटों से सजाया जाता है, जो देखने में बहुत ही मनमोहक लगता है। *

मोना शोर्स सिंगिंग क्रिसमस ट्री, अमेरिका

अमेरिका में मोना शोर्स सिंगिंग क्रिसमस-ट्री लंबे समय से तैयार किया जा रहा है। यह क्रिसमस-ट्री 67 फीट ऊंचा होता है। इसे मिशिगन राज्य के मस्कीगॉन में स्थित फ्रैंथल सेंटर में तैयार किया जाता है। इस क्रिसमस-ट्री की विशेषता यह है कि 15 तलों पर 275 वास्तविक गायक खड़े होकर 'डिंग डांग मेरीली ऑन हाई', 'आई हर्ड बेल्स ऑन क्रिसमस डे' जैसे मधुर गीत अपनी सुरीली आवाज में गाते हैं। इस क्रिसमस-ट्री को 25,000 रंग-बिरंगे मिनी बल्बों से भी सजाया जाता है। इसे देखना वाकई एक अनूठा अनुभव होता है। *

पैकमैन क्रिसमस-ट्री, स्पेन

स्पेन के मैड्रिड शहर में एक अनूठा क्रिसमस-ट्री बनाया जाता है, जो दुनिया भर में चर्चित है। वीडियो गेम पसंद करने वाले बच्चे तो इसके दीवाने हैं, क्योंकि इस क्रिसमस-ट्री की बनावट जापान में 80 के दशक के लोकप्रिय आर्केड वीडियो गेम को समर्पित है, जिसे बाद में पैकमैन के नाम से जाना गया। पैकमैन क्रिसमस-ट्री का आकार एक विशाल त्रिभुज का होता है। मजे की बात पैकमैन क्रिसमस-ट्री के पास जाकर बच्चे पैकमैन वीडियो गेम को खेल भी सकते हैं। *

लॉबस्टर ट्रैप क्रिसमस-ट्री, कनाडा

कनाडा के पूर्वी तटीय टाउन स्टॉनिंगटन में कुछ वर्षों से अनूठा क्रिसमस-ट्री तैयार किया जा रहा है। यहां क्रिसमस-ट्री लॉबस्टर्स (झींगा) के पिंजरानुमा ट्रैप्स से बनाया जाता है। फिर इस क्रिसमस-ट्री को रंग-बिरंगी सजावटी सामग्री, रिबन और मिनी बल्बों से सजाया जाता है। इस विशालकाय क्रिसमस ट्री को देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। अब इसकी नकल करके कनाडा में कई स्थानों पर ऐसे ही क्रिसमस ट्री बनाए जाने लगे हैं। *

ड्रम क्रिसमस ट्री, अमेरिका

अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी के रोचेस्टर में एक कंपनी पिछले 10 वर्षों से 27 से 28 फीट ऊंचा शानदार क्रिसमस-ट्री का निर्माण करती है। कंपनी द्वारा निर्मित क्रिसमस-ट्री बहुत अनोखा होता है, क्योंकि यह ट्री खाली हो चुके ड्रमों से बनाया जाता है। ड्रमों से बना 12 तल्लों का यह ट्री पूरे न्यूयॉर्क शहर में सबसे अनूठा क्रिसमस-ट्री होता है। इस विशाल क्रिसमस-ट्री के निर्माण में करीब 550 ड्रमों का इस्तेमाल होता है। इस अनूठे क्रिसमस-ट्री को तरह-तरह के डेकोरेटिव आइटम और कलरफुल लाइट्स से सजाया भी जाता है। *

साइकिल से बने क्रिसमस-ट्री

न्यूजीलैंड के रोटोरुआ शहर में साइकिल से बनाया जाने वाला क्रिसमस-ट्री देखकर हर कोई दंग रह जाता है। यह ट्री लगभग 150 पुरानी साइकिलों को जोड़कर बनाया जाता है। साइकिल प्रेमी इसे विशेष रूप से पसंद करते हैं। न्यूजीलैंड की देखा-देखी चीन की राजधानी शेनयांग में भी एक शॉपिंग मॉल में एक बार 230 साइकिलों को जोड़कर 39 फीट ऊंचा क्रिसमस-ट्री बनाया गया था। इसी तरह वर्ष 2014 में ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य के लिसमोर शहर में भी 90 पुरानी साइकिलों के पार्ट्स से क्रिसमस-ट्री बनाया गया था। साथ ही रंग-बिरंगी सामग्री से सजाया भी गया था। *

फ्लोटिंग क्रिसमस ट्री, ब्राजील

ब्राजील की राजधानी रियो डि जेनेरो में रोड्रिगो डी फ्रीटास नामक झील है। इस झील में क्रिसमस के मौके पर एक विशाल क्रिसमस-ट्री पानी के ऊपर तैरता दिखता है, जिसे फ्लोटिंग क्रिसमस-ट्री कहते हैं। इस ट्री की ऊंचाई 280 फीट होती है। इस क्रिसमस ट्री का नाम दुनिया के सबसे ऊंचे फ्लोटिंग क्रिसमस-ट्री के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। इस ट्री में बहुत ही शानदार लाइटिंग की जाती है, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। फ्लोटिंग क्रिसमस की पूर्व संध्या पर फ्लोटिंग क्रिसमस-ट्री के पीछे शानदार आतिशबाजी की जाती है। *

कहानी / डॉ. अलका जैन 'आराधना'

हर साल अन्वय के दादा जी सांता क्लॉज बनकर कॉलोनी के बच्चों को उनके पसंद के उपहार चुपचाप बांट आते थे। इस बार जब दादा-दादी के साथ अन्वय नहीं था। वह अपने मम्मी-पापा के साथ अमेरिका चला गया था तो बच्चों ने अकेले रह रहे दादा-दादी को सांता क्लॉज की तरह बहुत ही प्यारा और यादगार उपहार दिया। क्या था यह उपहार?

सबसे प्यारा उपहार

उस दिन चिंटू, रॉबिन, माधव और रानी चारों क्रिसमस सेलिब्रेशन की प्लानिंग के लिए पार्क में इकट्ठे हुए। बात सांता क्लॉज पर होने लगी। बच्चे इस बात पर आश्चर्यचकित थे कि हर साल सांता ना जाने कैसे उनकी पसंद का उपहार रख जाता है। चिंटू अपनी आंखों की पुतलियां चारों ओर घुमाते हुए बोला, 'हमारी टीचर कहती हैं सांता क्लॉज कोई और नहीं, हम लोगों के आस-पास का कोई इंसान होता है, जो हर उस नेक इंसान के पास जाता है, जिसे मदद की जरूरत होती है। बच्चों को उसे खासतौर पर लगाव होता है, इसलिए उन्हें उपहार बांटता है।'

उसी समय बच्चों की नजर पार्क के सामने वाले घर पर पड़ी। उन्होंने देखा कि उनके फ्रेंड अन्वय के दादा-दादी बैठे हुए हैं। माधव ने कहा, 'जब अन्वय हमारे साथ था तो कितना अच्छा लगता था, लेकिन जब से वह अपने मम्मी-पापा के साथ अमेरिका चला गया है, उनका घर तो सूना ही हो गया है। दादा-दादी जी कितने उदास नजर आते हैं। क्या उनके लिए भी कोई सांता क्लॉज हो सकता है? उनकी उदासी दूर कर सकता है?' माधव की बात सुनकर रॉबिन बोला, 'क्यों ना इस बार हम अन्वय के दादा-दादी जी के लिए सांता क्लॉज बनें। बच्चे भी तो सांता क्लॉज हो सकते हैं।' 'आखिर हम क्या कर सकते हैं...?' माधव ने आश्चर्य से पूछा।

'अन्वय के पापा मेरे पापा के बहुत अच्छे दोस्त हैं... कई बार उनकी आपस में बात होती है... क्यों ना हम उन्हें कहें कि वे इस बार क्रिसमस और नया साल यहीं अपने देश में मनाएं।' रॉबिन ने कहा।

यह सुनकर रानी हंसते हुए बोली, 'मेरे दादा जी कहते हैं कि जो एक बार विदेश चला जाता है, वह आसानी से अपने देश में लौटता नहीं, बहुत कम अपनों से मिलने आता है।' रानी की बात सुनकर चिंटू बोला, 'नहीं... ऐसा नहीं है।' फिर वह रॉबिन की ओर देखकर बोला, 'तुम अपने पापा से कहना कि अन्वय के पापा से बात करें कि क्रिसमस पर वह भारत आएं। फिर कल हमें बताना।' अगले दिन जब बच्चे पार्क में इकट्ठे हुए तो रॉबिन ने चहकते हुए बताया, 'कल मेरे पापा की अन्वय के पापा से बात हुई थी। उन्होंने बताया कि उनका प्लान है कि वे जनवरी में मकर संक्रांति के आस-पास आएंगे, लेकिन मेरे पापा ने उन्हें क्रिसमस पर आकर दादा-दादी जी को सरप्राइज देने के लिए मना लिया है। शायद वे आज ही फ्लाइट की टिकट्स भी बुक करा लेंगे।' यह सुनकर सब बच्चे खुशी से चहक उठे। सबने प्लान कर लिया था कि इस बार भी क्रिसमस पर पार्क और सामने वाले घर को बहुत अच्छी तरह से सजाएंगे। क्रिसमस की पार्टी यहीं होगी।

जब क्रिसमस में कुछ ही दिन बचे थे तो बच्चों ने दादा-दादी जी के पास जाकर कहा, 'हम लोग क्रिसमस के लिए पार्क को सजा रहे हैं। हम चाहते हैं आपका घर भी सजाएं, अच्छा लगेगा।' दादा जी मुस्कुराते हुए बोल, 'ठीक है बच्चों...!'

बच्चे चाहते थे कि दादा-दादी जी को सरप्राइज मिले। अपने बेटे-बहू और पोते को देखने के बाद उनके चेहरे की खुशी से खिल उठेंगे। बच्चे रोज दादा-दादी के घर की थोड़ी-थोड़ी सजावट कर रहे थे। एक शाम दादी जी ने दादा जी से कहा, 'हर साल तो आपको अन्वय, अपनी और दोस्तों की ख्वाहिश बता देता था। आप हर रात सांता बनकर बच्चों का मनपसंद उपहार उनके घर के बाहर रख आते थे। इस बार अन्वय हमारे साथ नहीं है, अब आप बच्चों की इच्छा कैसे जानेंगे?'

दादा जी कुछ सोचते हुए बोले, 'बात तो तुम्हारी सही है, सोच रहा हूं कि सब बच्चों के लिए कोई ना कोई आउटडोर गेम ले आऊं।' यह कहकर दादाजी बाजार चले गए। क्रिसमस वाले दिन बच्चों ने पार्क में बहुत अच्छा सेलिब्रेशन किया। दादा-दादीजी भी बच्चों को खुश देखकर कुछ पल के लिए अपनी उदासी भूल गए थे। पार्टी के बाद सब बच्चे अपने घरों को लौट गए। कुछ देर बाद दादा जी सांता का रूप लेकर बच्चों के उपहार उनके दरवाजे के बाहर रखने के लिए अपने घर से बाहर निकले ही थे कि सामने सांता के वेश में पोते अन्वय को देखकर वह चौंके। बेटे-बहू और पोते अन्वय के साथ कॉलोनी के सारे बच्चे भी थे। दादा-दादी जी खुशी से झूम उठे। उन्होंने सब बच्चों को उपहार दिए, लेकिन क्रिसमस का सबसे प्यारा उपहार तो दादा-दादी जी को मिला था। उनकी खुशी कई गुना बढ़ गई, जब अन्वय ने बताया कि वह और मम्मी-पापा अब हमेशा दादा-दादी जी के साथ भारत में ही रहेंगे। इस बार का क्रिसमस सचमुच सबके लिए यादगार बन गया था। *

छोटी कहानी / विनीता

हैप्पी क्रिसमस

सिक्स्थ क्लास में पढ़ने वाली ऐनी बहुत ही खुशमिजाज लड़की है। पड़ोस में रहने वाले सभी लोग उसे बहुत प्यार करते हैं। किसी शाम वह खेलने के लिए पार्क में नहीं आती तो उसे ढूंढ़ते हुए सारे दोस्त उसके घर पहुंच जाते। दो दिनों के बाद ही क्रिसमस है, ना तो अभी तक कोई तैयारी शुरू हुई है और ना ही वह खेलने के लिए पार्क में आई। इसीलिए सारे दोस्त ऐनी का हाल जानने के लिए उसके घर चले गए। दरवाजे पर ही ऐनी की मम्मी मिल गईं। रीमा ने उन्हें नमस्ते करते हुए पूछा, 'आंटी ऐनी की तबीयत तो ठीक है न? वह दो दिनों से खेलने नहीं आ रही।' 'बीमार तो नहीं, लेकिन बहुत सुस्त रहने लगी है आजकल। आज सजावट के लिए उसे साथ लेकर शॉपिंग पर जाना है, लेकिन वह जाने से मना कर रही है। हर साल अब तक मेरे साथ मिलकर वह पूरे घर की डेकोरेशन कंप्लीट करवा देती थी, लेकिन इस बार अभी तक हमारी तैयारी शुरू भी नहीं हुई।'

मम्मी ने चिंतित स्वर में कहा। बच्चे तुरंत ऐनी के कमरे में पहुंचे। वह अकेले गुमसुम सी बैठी थी। बहुत पूछने पर वह बोली, 'हमारे घर पर सफाई के लिए जो सुनीता आंटी आती हैं, उनकी बेटी मीनू के पैर में फ्रैक्चर हो गया है। हर साल क्रिसमस पर वह भी मेरे साथ होती थी, लेकिन इस बार वह बहुत तकलीफ में है। आंटी बता रही थीं कि उसके पैर का ऑपरेशन करवाना होगा, जिसमें काफी खर्च होगा। उनके घर में पैसों की बहुत तंगी है। आंटी हमारे लिए फैमिली मेंबर की तरह हैं, जब हमारा कोई अपना उदास हो तो ऐसे में उसे छोड़कर हम अकेले फेस्टिवल कैसे सेलिब्रेट कर सकते हैं?' कहते हुए ऐनी की आंखें भर आईं।

'हां, सचमुच यह तो बड़े दुख की बात है। हमें सुनीता आंटी की मदद करनी चाहिए।' रोहन बोला। ऐनी भी बोली, 'हां, मैं भी यही सोच रही थी किस तरह उनकी मदद करूं। मम्मी मुझे जो पॉकेटमनी देती हैं, उसे मैं अपनी पिगीबैंक में संभाल कर रखती हूं। उन पैसों से मीनू के लिए कुछ अच्छा-सा गिफ्ट खरीद लेती हूं। मम्मी से कहूंगी कि इस बार मुझे क्रिसमस गिफ्ट दिलाने के बजाए वे मीनू के इलाज के लिए सुनीता आंटी को कुछ पैसे दे दें।' 'मैं भी अपने पापा से बात करता हूं, वह हड्डियों के स्पेशलिस्ट डॉक्टर हैं। वह खुद मीनू का ट्रीटमेंट करेंगे, तो फीस के पैसे भी नहीं लगेंगे।' रोहन ने कहा। 'अपनी पॉकेटमनी मीनू को देने के लिए तैयार हूं, मैं और मैं भी...।' सभी बच्चों ने एक स्वर में ऐनी की बातों का समर्थन किया। तभी ऐनी की मम्मी भी कमरे में आ गईं। वह बोलीं, 'यह तो बहुत अच्छा आइडिया है। क्यों ना, इस बार हम मीनू की मदद करके उसके साथ अपनी खुशियां बांटते हुए यह त्योहार मनाएं, तभी तो हम सभी के लिए इस बार 25 दिसंबर वाकई हैप्पी क्रिसमस बन जाएगा।' इस बात पर सभी बच्चे मिलकर क्लैपिंग करने लगे। वे बहुत ही खुश थे। *

कविता / प्रकाश मनु

क्रिसमस की ये शाम

हंसता झिलमिल क्रिसमस ट्री ये,
हंसती-गाती शाम,
याद रहेगा क्रिसमस मुझको
याद रहेगी शाम।
दीदी के संग खूब सजाया
क्रिसमस ट्री यह मैंने,
इसकी झलर-मलर तो देखो
सपनों के ये डैने।

काश, इसी में जादू वाले
भर दूं मन के रंग,
देखें दोस्त चकित होकर के
नया-नया यह ढंग।
पापा खुश हैं, मम्मी खुश हैं
खुशियों वाली शाम,
आज मनाएंगे हम क्रिसमस
छोड़ो सारे काम!

कहते हैं, जो भोले बच्चे
मन के होते सच्चे,
मिलते हैं उपहार उन्हीं को
सचमुच अच्छे-अच्छे।
सोच रहा हूं, कब आएगा
बूढ़ा सांता क्लॉज
क्या जाने अपने हाथों से
पहना दे वह ताज!
बनकर राजा बेटा नाचूं
देखें लोग तमाम,
याद रहेगा क्रिसमस सबको
और मेरा ही नाम!

कैथोलिक चर्च कैण्टोनमेण्ट में क्रिसमस मेले को लेकर पत्रकार वार्ता का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कैथोलिक चर्च कैण्टोनमेण्ट में तीन दिवसीय क्रिसमस मेले को लेकर 22 दिसम्बर शुक्रवार को पत्रकार वार्ता का किया गया आयोजन` पत्रकार वार्ता के दौरान बी. डा. यूजिन जॉसेफ ने मीडिया को बताया की वाराणसी कैथॉलिक धर्मप्रांत आप सभी को खीस्त जयंती के अवसर पर ईश्वरीय आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ अर्पित करता है प्रभु येसु का जन्म सारी सृष्टि के लिए खुशी एवं शांति का शुभ संदेश लाता है तथा हर एक को शांति, प्रेम और एकता की कृपा से भरता है। किसमस का त्योहार हमे यह बताता है कि प्रभु येसु स्वयं ईश्वर होते हुए भी मानव रूप धारण कर चरनी में जन्मे ताकि ईश्वर हमारे जीवन यात्रा में हमारे साथ चले तथा हमारे सुख-दुःख के साथी बनें` प्रभु येसु में हम ईश्वर को पाते हैं जो पूर्ण रूप से मानव जाति के साथ एवं उसके दैनिक जीवन के करीब है और यही वास्तव में मनुष्यों के प्रति ईश्वर का प्रेम है सृष्टिकर्ता मानवीय स्वभाव को धारण कर अपनी विनम्रता को प्रकट करता है जिससे हम सद्भावना और सौहार्द के पथ पर आगे बढ़ सकें। खीस्त जयंती प्रभु येसु की ओर से हमारे लिए पावन निमंत्रण है की हम उन भाई-बहनों के प्रति दयालू एवं उदार बनें जो अधिक जरूरतमंद हैं` आज-कल लोगों के बीच हिंसा, युद्ध, नफरत और बदले की भावना बढ़ती जा रही है हमें वहाँ शांति और एकता फैलाने के जरूरत है संत पापा फ्रांसिस कहते हैं युद्ध से कोई हारता है` वाराणसी में इस वर्ष किसमस के त्योहार का मकसद सभी देश में शांति कायम करने के लिए जागरूकता पैदा करना है पूरे भारत वर्ष में विशेषरूप से वाराणसी की पवित्र नगरी काशी के लोगों के बीच शांति और खुशहाली आए पूर्वांचल के अन्य जिलों में चर्च की ओर से विशेष पूजा-पाठ का आयोजन हो जिससे पूरे समाज में प्रेम तथा भाई-चारा स्थापित हो सके। सेंट मेरीज कैथीड्रल वाराणसी में खीस्त जयंती के अवसर पर 24 दिसंबर रविवार की रात 10:30 बजे प्रार्थना तथा पवित्र पूजा-पाठ का आयोजन होगा यह खीस्त जयंती तीन दिवसीय 25 से 27 दिसंबर 2023 तक हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा और 7 जनवरी 2024 तक किसमस का माहौल रहेगा। खीस्तय ससुदाय प्रत्येक मानव की आवश्यकताओं हेतु श्रद्धा पूर्वक पूजा-पाठ करेंगे इस शुभ अवसर पर कैथॉलिक समुदाय आस-पास के जेलों, अनाथालयों, मलिन बस्तियों, कुष्ट रोगियों और परित्यक्त बच्चों इत्यादि के लिए दान के विभिन्न कार्यों में शामिल होंगे। हमारे समाज के कमजोर तथा संघर्षमय जीवन जी रहे लोगों के साथ मिल-जुलकर जीना, प्रभु येसु द्वारा दिखाये गये मार्ग पर चलने का एक तरीका है` हमारी ईश्वर से विनम्र प्रार्थना है कि प्रत्येक व्यक्ति शांति और एकता के पथ पर चले ताकि हमारे समाज से कलह, हिंसा और रफरत जैसी समाजिक बुराइयाँ समाप्त हो जाए` हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे देश के राजनेताओं तथा अधिकारियों को ईश्वर की आशिष एवं कृपा प्रचुर मात्रा में प्राप्त हो जिससे वे देश का संचालन विवेक पूर्वक कर सकें। हर भारतीय को मयार्दा, सच्ची स्वतंत्रता, शांति, प्रेम, खुशी तथा भाई-चारे से जीवन जीने का अवसर प्राप्त हो` यदि हम और हमारा समाज इन गुणों और मुल्यों को अमल करते हुए अपना जीवन जीता है तो निःसंदेह परमेश्वर का राज्य हमारे बीच में होगा। पत्रकार वार्ता में बी. डा. यूजिन जॉसेफ डायासिस आफ वाराणसी, फादर फ्लिप डेनीस, फादर हेनरी प्रिंसिपल सेन्ट जान्स स्कूल लेरूपुर , गुरुसंत राज प्रिंसिपल सेन्ट जान्स स्कूल बीएल डब्लू, फादर एंथोनी (सचिव) डायासिस आफ वाराणसी सोसाइटी, फादर थामस (सचिव) शिक्षा सहित इत्यादि लोग शामिल रहे।

बागेश्वर धाम महाराज धीरेंद्र शास्त्री के शिष्य रोहित आचार्य के मुखारविंद से कपिलधारा में चल रही हनुमंत कथा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। काशी के पंचम पड़ाव कपिलधारा कपिल मुनि तपोभूमि के प्रांगण में दीनापुर वार्ड नंबर 8 सीवरेज प्लांट गेट नंबर एक के सामने शुक्ला वाटिका मैदान में हनुमंत कथा 108 कुंडी महायज्ञ का आयोजन किया गया है जो 20 दिसम्बर 2023 सुबह शरायमुहाखाकी कुटी गंग किनारे घाट से गंगा जल लेकर कलश में हजारों की संख्या में माताएं बहनें भाई बंधु कलश यात्रा वहां से प्रारंभ हुआ उसे यात्रा में शामिल हमारे तमिल से आए हुए साधु संत मुक्तेश्वर आनंद महाराज जी और काशी के आनंद अखाड़ा के स्वामी मंगल गिरी यात्रा में शामिल हुए और कथावाचक रोहित आचार्य और महायज्ञ पीठ के रवि महाराज जी के साथी लोग शामिल होकर इस यात्रा को कोटवा से होते हुए खालिसपुर कपिलधारा शिव प्लांट दीनापुर पहुंच गया महाय गया तथा स्थल पर जो कथा स्थल शाम 4:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक हनुमंत कथा अमृत पान माताएं बहने शामिल होकर इस कथा को शुभारम्भ किया गया। इसी तरह 21, 22, 23 ,24 तक कथा चलता रहेगा शाम 4:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक 26 तारीख को सुबह 11:00 बजे 108 कुंड महायज्ञ की तैयारी और शाम 3:00 बजे से महा भंडारे की तैयारी का आयोजन चलेगा जब तक भक्त आए आते रहेंगे। यह कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मेहंदीपुर बालाजी के परिवार और बागेश्वर जी बालाजी के परिवार इस कार्यक्रम में शामिल है यह पूरा कार्यक्रम के मुख्य कर्ताधर्ता पिंटू भाई हैं।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पति को सजा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करने व आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले अदालत ने पति को दोषी पाने पर दंडित किया है अपर जिला जज (पंचम) मनोज कुमार तिवारी की अदालत ने मुकदमे के विचारण के बाद अभियुक्त पति विजय पटेल को दोषी पाने पर सात वर्ष के कठोर कारावास व 13 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई वहीं इस मामले में आरोप सिद्ध न होने पर दो जेठानी राजकुमारी देवी व बिंदू देवी के साथ एक अन्य आरोपित भारत भूषण को दोषमुक्त कर दिया अदालत में अभियोजन की ओर से एडीजीसी ओंकार नाथ तिवारी ने पक्ष रखा जबकि आरोपित भारत भूषण की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव व बृजपाल सिंह यादव ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र के नवापुरा की रहने वाली वादिनी अनिता देवी ने दशाश्वमेध थाने में 6 मार्च 2019 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी आरोप था कि उसके लड़की आरती को

शादी अगस्तकुंडा, दशाश्वमेध निवासी विजय पटेल के साथ पांच साल पहले हुई थी` शादी के बाद से ही दामाद विजय पटेल व ससुराल के अन्य लोग उसकी बेटी को दहेज के लिए आए दिन मारते- पीटते व प्रताड़ित करते रहते थे इस बीच 6 मार्च 2019 को उसे उसके दामाद विजय पटेल ने फोन से सूचना दिया कि उसकी बेटी आरती ने फांसी लगा लिया है यह सुनकर जब वह बेटी के ससुराल पहुंची तो देखा कि मेरे दामाद विजय पटेल ने अपनी भाभी राजकुमारी, बिंदू व अपने सहयोगी भारत भूषण के साथ मिलकर उसकी बेटी की गला दबाकर हत्या कर दिया है इस मामले में पुलिस ने पति विजय पटेल, जेठानी राजकुमारी, बिंदू व भारत भूषण के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित कर दिया था। अदालत ने विचारण के दौरान पति को आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी पाते हुए सजा सुना दी जबकि अन्य आरोपित राजकुमारी, बिंदू व भारत भूषण को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया।

गेस्ट हाउस के उद्घाटन में शामिल हुए सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामांग

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामांग ने हाल ही में उद्घाटन किए गए काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का दौरा किया जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है इसके बाद उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर में पवित्र रुद्राभिषेक में हिस्सा लिया। भगवान विश्वनाथ और भगवान काल भैरव से सिक्किम एवं राष्ट्र के सभी नागरिकों के अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि और समग्र कल्याण का आशीर्वाद मांगा इस दौरान मुख्यमंत्री तामांग वाराणसी में श्री दत्तात्रय मठ के तत्वावधान में एक अतिथि गृह, इंद्रकिल भवन (सिक्किम) के उद्घाटन में सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के साथ मौजूद रहे` राज्यपाल ने इस परियोजना में मुख्यमंत्री के व्यक्तिगत हस्तक्षेप की सराहना की जो अपने लोगों और काशी की पवित्र भूमि पर आने वाले पूरे देश के प्रति उनकी भक्ति को उजागर करता है। मुख्यमंत्री तामांग ने काशी पहुंचने पर सिक्किम के प्रतीक इंद्रकिल नाम के महत्व और राज्य और देश के लोगों की सेवा के प्रति इसके समर्पण को साझा किया उन्होंने विशेष रूप से तीर्थ यात्राओं के दौरान समानता पर जोर देते हुए वीआईपी कमरे की प्रथा को खत्म करने की भी घोषणा की` भवन को एक संपत्ति के रूप में संरक्षित करने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने सामूहिक तौर पर जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया और इसके रखरखाव के लिए न्यूनतम योगदान को प्रोत्साहित किया। मठ के अध्यक्ष स्वामी ओंकारानंद गिरिजी महाराज ने भवन के निर्माण और विकास के दौरान मिले सहयोग के लिए मुख्यमंत्री तामांग के प्रति आभार व्यक्त किया।

गंगोत्री से कुशीनगर पहुँचे सुतत्व ऋजु सहित 4 साईकिल यात्रियों को रोटरी ने किया सम्मानित

प्रखर कुशीनगर। गुरुवार की रात गंगोत्री से कुशीनगर पहुँचे चार साईकिल यात्रियों का रोटरी क्लब कुशीनगर के सदस्यों ने कसया स्थित होटल कलश में अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। झारखंड प्रान्त के 12 वर्षीय सुतत्व ऋजु विश्व शांति संदेश यात्रा पर अन्य तीन साईकिल यात्रियों के साथ निकले हैं । 12 दिसम्बर को पवित्र गंगोत्री धाम (उत्तराखंड) से गंगा जल लेकर विश्व शांति संदेश का आहवाहन कर साईकिल चला कर 2000 किलोमीटर की यात्रा सम्पन्न कर बाबा वैधनाथ धाम (झारखंड) में जल चढ़ाने निकल पड़े सुतत्व ऋजु ने आज अपनी आधी से अधिक यात्रा कुशीनगर पहुंच कर पूरी की। इसमें इन्होंने गंगोत्री से उत्तरकाशी (115 कि.मी) फिर उत्तरकाशी से चंबा (120 कि.मी), चंबा से हरिद्वार (110 कि.मी), हरिद्वार से मुरादाबाद (180 कि.मी), मुरादाबाद से शाहजहाँपुर (185 कि.मी), शाहजहाँपुर से लखनऊ (155 कि.मी), लखनऊ से अयोध्या (130 कि.मी) तथा अयोध्या से कुशीनगर (183 कि.मी) तक की अब तक की कुल 1200 किलोमीटर की साईकिल यात्रा रात्रि विश्राम करते हुए पूरा किया । इस यात्रा में उनके साथ बिहार के निवासी प्रसिद्ध साइकलिष्ट श्री राकेश कुमार पवन (48 वर्ष) श्री विजय कुमार (52 वर्ष) तथा श्री राम भगवान (62 वर्ष) साथ में साईकिल से चलकर ऋजु का मार्गदर्शन कर उसका हौसला बढ़ा रहे हैं। ये सभी साईकिल की दुनिया में कई ख्यातियाँ अपने नाम कर चुके हैं। राँची रहकर पढ़ाई करने वाले पलामू के मूल निवासी सुतत्व ऋजु ए. एस.टी. वी. एस जिला विद्यालय, रांची के कक्षा 7 के छात्र हैं, और अभी खेलगाँव साईकिल एकेडमी, राँची के मुख्य साईकिल प्रशिक्षक श्री राम भट्ट एवं प्रथम कुमार के मार्गदर्शन में साईकिल सीख रहे है। उनके इस 2000 किलोमीटर के गंगोत्री से वैद्यनाथ धाम तक की यात्रा में सुतत्व के पिता सोमित्रो बोराल निजी वाहन से साथ-साथ चल कर उनका सहयोग कर रहे हैं। अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए रोटरी कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने सुतत्व ऋजु सहित अन्य साईकिल यात्रियों को अग्रिम बधाई दी।

142 सांसदों के निलंबन से नाराज संतकबीरनगर जिले के सपाइयों ने किया प्रदर्शन

प्रखर संतकबीरनगर। भारत के लोकतंत्र में ऐसा पहली बार हुआ है कि 142 सांसदों को निलंबित किया गया। निलंबन से खार खाए सपाइयों ने भारी संख्या में बाईपास चौराहे पर इकट्ठा हुए और वहां से भारी संख्या में बैनर पोस्टर ले कर सरकार के खिलाफ नारे बाजी करते हुए जिला कलेक्ट्रेट परिसर की तरफ बढ़ने लगे। नारेबाजी करते और चल करके जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे वहां पर इन लोग धरने पर बैठ गए तथा नारेबाजी करने लगे। जिला अधिकारी कर्यालय पर काफी समय तक नारे बाजी चलती रही। राष्ट्रपति के नाम लिखित ज्ञापन सौंपा। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अब्दुल कलाम ने बताया कि सरकार की तानाशाह रवैया कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। 142 सांसदों को तुरंत बहल किया जाय, नही तो ये आंदोलन सड़क पर पहुंच कर धरना प्रदर्शन करेंगे। खलीलाबाद के पूर्व सदर विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे ने बताया कि भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार विपक्ष के 142 माननीय सांसदों का अलोकतांत्रिक तरीके से निलंबन किया गया । माननीय सांसदों का निलंबन लोकतंत्र पर हमला है। भारतीय जनता पार्टी की वर्तमान सरकार अहंकार के आकंठ में डूब चुकी है। जो संविधान को बदलना चाहती और लोकतांत्रिक मयार्दाओं और परंपराओं को छिन्न भिन्न करने का प्रयास कर रही है। अतः राष्ट्रपति महोदय से हमारी विनती है कि हम समाजवादी पार्टी के लोग ज्ञापन के माध्यम से आपसे मांग करते हैं कि 142 माननीय सांसदों का निलंबन तत्काल वापस तथा भारतीय जनता पार्टी के द्वारा जो लोकतंत्र की कलंकित करने का जो प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में भाजपा सरकार को तत्काल पर बर्खास्त किया जाए। इस धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अब्दुल कलाम , पूर्व सदर विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे, संजय यादव,युवा नेता रामवृक्ष यादव, सुनील सिंह ,केडी यादव, राम दरस यादव,लोरिक यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष बलराम यादव, रमेश यादव, रामदरश यादव, आलोक यादव सोनू, इशहाक अंसारी,श्यामजी विश्वकर्मा सुनील सिंह हनुमान कनौजिया अविनाश कनौजिया रविंदर प्रिया पाठक राजाराम मौर्य बाल गोविंद चौधरी शिवसरण यादवरामवृक्ष यादव, नन्हे लाल प्रजापति, खुदैजा खातून, स्वामीनाथ साहनी, रामसुरेश चौरसिया, अरविंद वर्मा, मनोहर सिंह सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

काशी के 'मिनी तमिलनाडु' का तमिल प्रोफेशनल समूहों ने किया भ्रमण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। काशी तमिल संगमम-2 में तमिलनाडु से आया प्रोफेशनल समूह "गोदावरी" हनुमान घाट पहुंचा जहां सभी ने गंगा में स्नान कर मां का पूजा पाठ करते हुए सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा वहीं मौजूद आचार्यों ने विस्तार से गंगा के विभिन्न घाटों के इतिहास को बताया। गंगा स्नान के बाद सभी मेहमानों ने घाट पर स्थित प्राचीन मंदिरों में दर्शन-पूजन किया सभी मेहमानों को मंदिरों के इतिहास दिव्यता और भव्यता के बारे में जानकारी दी गई इसके उपरांत तमिल मेहमान हनुमान घाट स्थित सुब्रह्मण्य भारती के घर गए वहां उनके परिवार के सदस्यों से उन्होंने मुलाकात की प्रोफेशनल दल ने हनुमान घाट के गलियों में भ्रमण किया। जिसके उपरांत प्रोफेशनल दल सुब्रह्मण्य भारती के घर के समीप पुस्तकालय का भी भ्रमण किया और काफी कुछ वहां के बारे में जानकारी भी प्राप्त की` सुब्रमण्यम भारतीय के घर कर भ्रमण करने के उपरांत दल कांची मठ पहुंचा और वहां के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की काशी में दक्षिण भारतीय मंदिर को देखकर प्रोफेशनल दल उत्साहित दिखा` हर कोई यहां के मंदिरों की तस्वीर लेता हुआ दिखाई दिया सभी डेलिगेट्स को पं वेंकट रमण घनपाठी ने भ्रमण कराया। समूह में शामिल डेलिगेट्स का कहना है कि हम सभी को काशी के मंदिरों, इतिहास, धरोहर सब कुछ दिखाया गया यहां घुम के हमें बहुत खुशी हो रही?। आज हम लोग गंगा स्नान करके दक्षिण मंदिरों में दर्शन किया हमें मंदिर के बारे में बताया गया उन्होंने कहा कि हमें प्रयागराज और अयोध्या भी जाना है जिसके लिए हम काफी खुश हैं कि हम अयोध्या में प्रभु राम का दर्शन करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

भजन संध्या में लोकप्रिय गायक अभिषेक गाएंगे भजन

प्रखर भदोही। भदोही जनपद के प्रयागपुर गाँव में मानस पाठ एवं भजन संध्या कार्यक्रम का 25 एवं 26 दिसम्बर को आयोजन किया गया है। भजन पश्चिम बंगाल के जमशेदपुर टाटा से आ रहे लोकप्रिय गायक अभिषेक पाठक और उनका ग्रुप प्रस्तुत करेगा। यह आयोजन प्रसिद्ध समाजसेवी विनोद पांडेय की तरफ से हर वर्ष आयोजित होता है। भदोही एवं प्रयागराज जनपद की सीमा में स्थित होने के कारण दोनों तरफ से गणमान्य अतिथि आते हैं। आयोजक विनोद पांडेय की तरफ से दी गयी जानकारी में बताया गया है की 25 दिसम्बर सोमवार को मानस पाठ का शुभारम्भ होगा। 26 दिसम्बर मंगलवार को महाप्रसाद एवं भंडारे का आयोजन होगा। पांडेय के अनुसार 26 दिसम्बर को शाम पांच बजे से पश्चिम बंगाल के जमशेदपुर टाटा से आ रहे लोकप्रिय गायक अभिषेक पाठक एवं उनका ग्रुप भजन प्रस्तुत करेगा। पांडेय परिवार की तरफ से आयोजित होने वाले इस भव्य समारोह की अपनी एक अलग पहचान है। इस आयोजन में परिवार के रमाशंकर पांडेय, रमाकांत पाण्डेय, प्रमोद पांडेय, सत्येंद्र पांडेय, संजीव पांडेय, पवन पांडेय और राजीव पांडेय अहम भूमिका निभाते हैं।

खबर का हुआ असर एक सप्ताह में बदल जायेगी कूड़ा निस्तारण की जगह

प्रखर महराजगंज। प्रतिदिन लोगों के घरों से निकलने वाले कूड़े कचरे को नगर पंचायत बृजमनगंज के सफाई कर्मियों द्वारा ट्राली में लाद कर लेदवा चौराहे पर नगर पंचायत द्वारा बनाए गए कुड़े जोन में गिराया जाता हैं।कुड़ा घर न बना होने के कारण कुड़े को खुले आसमान के नीचे गिरा दिया जाता हैं।जब कुड़ा कचरा ज्यादा इकट्ठा हो जाता हैं तो इसे सफाई कर्मचारियों द्वारा जला दिया जाता हैं।इससे निकलने वाली दुर्गंध एवं धुएं से स्थानीय लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।दिनांक 20 दिसंबर 2023 को हमारे प्रखर पूर्वांचल अखबार द्वारा प्रमुखता के साथ प्रकाशित करने पर नगर पंचायत बृजमनगंज ईओ से हुई वार्ता में उन्होंने बताया था कि जल्द से जल्द कुड़ा घर का निर्माण कार्य शुरू किया जाना है।खबर का हुआ असर ईओ द्वारा दिनांक 21 दिसंबर 2023 को ईओ सुरभि मिश्रा ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।उन्होंने कहा कि उक्त स्थान पर डंपिंग स्टेशन बनाने से काफी गंदगी उत्पन्न हो रही थी । जिससे ग्रामीणों में भारी रोष था। जिसके मद्देनजर उक्त स्थान को बदलने का निर्णय लिया गया है।एक सप्ताह बाद उक्त स्थान पर कोई भी कूड़ा नही डालेगा।

फार्मासिस्ट के आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज। जनपद महराजगंज के नगर पंचायत बृजमनगंज कस्बे के निवासी फार्मासिस्ट राजेश पाण्डेय का आज लखनऊ के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। इस घटना से पूरे सीएचसी अस्पताल सहित कस्बे में शोक ब्याप्त हैं। सीएचसी बृजमनगंज अस्पताल के कर्मचारियों एवं आशा वर्कर ने दो मिनट मौन रहकर मृतक आत्मा के शांति के लिए प्रार्थना की लार्ड कृष्णा डिग्री कालेज के प्रबंधक कमलेश पाण्डेय ने बताया कि स्वर्गीय राजेश पाण्डेय पूर्व में बृजमनगंज सीएचसी पर तैनात रहे जो काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे आज उनका पार्थिव शरीर लखनऊ से बृजमनगंज लाया जाएगा। इस घटना से पूरा परिवार पर दुखों का पहाड़ टुट गया है। नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश जायसवाल पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह डाक्टर बृजेश नायक बीसीपीएम विनोद कुमार, अनवर अली ने गहरा दुख ब्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं